



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42]
No. 42]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 16, 1965 (आश्विन 24, 1887)
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 16, 1965 (ASVINA 24, 1887)

इस भाग में छिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 1 अक्तूबर 1965 तक प्रकाशित किए गए थे :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 1st October 1965 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तारीख (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
132	No. COY 3(12)/65 dated 24-9-1965	Min. of Steel & Mines	Appointment of Shri N. Krishnan, Chief Cost Accounts Officer, Min. of Finance as a member of the Committee Constituted to examine the cost of production of Steel.
133	No. RS 1/3/65-L dt. 27-9-1965 सं० आर० एस० 1/3/65-एल० दिनांक 27 सितम्बर 1965	Rajya Sabha Sectt.	President prorogues the Rajya Sabha.
134	No. 37/1/XII/65/T dt. 27-9-1965 सं० 37/1/XII/65/टी० दिनांक 27 सितम्बर 1965	Lok Sabha Sectt.	President Prorogues the Lok Sabha.
135	No. 34 (2) NS/65 dt. 27-9-1965	Min. of Finance	Availability of the prize-money for distribution for the Premium Prize Bonds, 1964 and the number of prize.
136	No. 11-ETC(PN)/65 dt. 28-9-1965	Min. of Commerce.	To Canalize the export of Mill scale scrap.
137	No. RS. 1/4/65-L dt. 29-9-1965 सं० आर० एस० 1/4/65-एल० दिनांक 29 सितम्बर 1965	Rajya Sabha Sectt.	President summons the Rajya Sabha.
138	No. 37/1/XII/65-T dt. 29-9-1965 सं० 37/1/XII/65-टी० दिनांक 29 सितम्बर 1965	Lok Sabha Sectt.	President summons the Lok Sabha.
139	No. 85-ITC(PN)/65 dt. 29-9-1965	Min. of Commerce	Import of Dates (S.No. 21(b)/IV) from Iraq during Oct., 1965 to Sept. 1966 period on annual basis.
140	No. 86-ITC(PN)/65 dt. 1-10-1965	Do.	Import Licensing policy for Vanadium Pentoxide Catalyst during April, 1965 to March, 1966 period.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची
(CONTENTS)

पृष्ठ (Pages)	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं 561	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं 51
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं 855	भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं 531
	भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम —
	भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें —

पृष्ठ (Pages)	पृष्ठ (Pages)
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-निगम आदि सम्मिलित हैं) .. 1543	भाग III—खंड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें .. 375
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं .. 3355	भाग III—खंड 3—पुष्ट आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं .. 109
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश .. 259	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं .. 2727
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 687	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें .. 199
	पूरक सं० 42—
	9 सितम्बर 1965 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्टें .. 1447
	18 सितम्बर 1965 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से संबंधित आंकड़े .. 1427
<hr/>	
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. 561	PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. 3355
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. 855	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. 259
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence .. 51	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. 687
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Officers issued by the Ministry of Defence .. 531	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. 375
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and, Regulations .. —	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. 109
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. —	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. 2727
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. 1543	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. 199
	SUPPLEMENT No. 42—
	Weekly Epidemiological Reports for week-ending 9th October 1965 .. 1447
	Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 18th September, 1965 .. 1427

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधीतर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1965

सं० 77-प्रेज/65—राष्ट्रपति निम्नांकित अधिकारी को जम्मू तथा काश्मीर क्षेत्र में वीरता के लिए वीर चक्र प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

मेजर मुखतार सिंह खैरा (आई० सी०-6859).

15 बटालियन डोगरा रेजीमेंट।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—13 दिसम्बर, 1964)

मेजर मुखतार सिंह खैरा जम्मू एवं काश्मीर में युद्ध विराम रेखा पर एक गश्ती टोह टुकड़ी की कमान कर रहे थे। 13/14 दिसम्बर, 1964 की रात को लगभग 0350 बजे एक चढ़ाई को पारकर टुकड़ी उस पहाड़ी के पाम पहुंची जहां पर दिन को पाकिस्तानी गश्ती टुकड़ी देखी गई थी तथा मशौली मशीन गन स्थिति पर आ गये। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करके मेजर खैरा एक अन्य जवान के साथ घिसट कर आगे बढ़े और पाकिस्तानी हल्की मशीन गन पर हथगोले फेंके, उगी समय पाकिस्तानी हल्की मशीन गन ने हमारी टुकड़ी की ओर तीन लम्बे फायर किये तब हथगोले फट गये और पाकिस्तानी हल्की मशीन गन शान्त हो गई। मेजर खैरा तथा उनके साथी अपनी स्टेन गन से फायर करते हुये पाकिस्तानी मशौली मशीन गन की ओर तेजी से बढ़े। उन्होंने पाकिस्तानी हल्की मशीन गन की स्थिति से लगभग बीस गज पीछे एक बंकर से चिल्लाहट तथा शोर गुल गुना और वहां से 6 या 7 पाकिस्तानी सैनिकों ने स्टेन गन से फायर करना आरम्भ कर दिया। शत्रु की अधिक संख्या की चिन्ता किये बिना मेजर खैरा तथा उनके जवानों ने पाकिस्तानी सैनिकों पर दो और हथगोले फेंके। तब गश्ती दल ने हल्की मशीन गन पर अधिकार कर लिया तथा वापस आ गये।

सम्पूर्ण कार्यवाही में मेजर मुखतार सिंह खैरा ने भारतीय सेना की उच्चतम परम्पराओं के अनुरूप साहस एवं नेतृत्व का परिचय दिया।

सं० 78-प्रेज/65—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को वीरता के लिये “अशोक चक्र” तृतीय श्रेणी प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1-140026 हवलदार दामर बहादुर लिम्बू,
अमम राईफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—9 जून, 1964)

9 जून, 1964 को नागालैंड में हमारी एक चौकी पर लगभग 200 उपद्रवियों ने भारी तथा हल्की मशीन गनों और मार्टरों के साथ हमला किया जिसके कारण सारी चौकी को आग लग गई।

हवलदार दामर बहादुर लिम्बू जो, चौकी के उस पूर्वी पार्श्व की कमान कर रहे थे जिस पर उपद्रवियों की समीप से गोलाबारी हो रही थी, गोलियों की बौछार में आये हुये क्षेत्र में होते हुए आगे बढ़े और उपद्रवियों का मुकाबिला करने के लिये अपने साथियों का साहस बढ़ाया। इस सुरक्षात्मक युद्ध में उनके तीन साथी जख्मी हो गये। जब चौकी के क्षेत्र की सुरक्षा बहुत ही कठिन हो गयी तो हवलदार लिम्बू, अपनी सुरक्षा की चिन्ता किये बिना घिसटते हुए

आगे बढ़े और उपद्रवियों के कमाण्डर को गोली से उड़ा दिया। इस प्रकार उनका आगे बढ़ना रुक गया।

इसके बाद हवलदार लिम्बू ने पश्चिमी भाग में, जहां उपद्रवियों का एक पहाड़ी पर कब्जा हो जाने से स्थिति खराब हो गई थी, एक छोटे दस्ते का अग्रगमन किया। उन्होंने अपने साथियों के साथ स्वयं आक्रमण किया तथा उस भाग को उपद्रवियों से खाली कर दिया।

हवलदार दामर बहादुर लिम्बू ने इस मुठभेड़ में उदाहरणीय साहस और नेतृत्व का परिचय दिया।

2—कप्तान महेन्द्र सिंह तनवार (आई० सी०-14771),

6 बटालियन राजपूताना राईफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—13 नवम्बर, 1964)

कप्तान महेन्द्र सिंह तनवार उस कम्पनी के कमाण्डर थे जिसे मनीपुर स्टेट में पाकिस्तान को जाते हुए उपद्रवियों को रोकने का कार्य सौंपा गया था।

13 नवम्बर 1964 को उनकी कम्पनी कठिन तथा घने जंगली भूभाग से होते हुये शीघ्रता से आगे बढ़ी और मध्य रात्रि के लगभग सशस्त्र उपद्रवियों की टुकड़ी के समीप पहुंच गयी। परिस्थिति का शीघ्र मूल्यांकन कर कप्तान तनवार ने छिपने का निश्चय किया। छिपे हुये दल का निरीक्षण करने के लिये वह अपनी सुरक्षा की चिन्ता किये बिना एक स्थान से दूसरे स्थान पर गये जो एक दल-दल तथा कहीं-कहीं पर कमर तक पानी से भरा हुआ क्षेत्र था। कप्तान तनवार ने गोली चलाने का आदेश देने से पूर्व उपद्रवियों के समूह को 30-40 गज अन्दर आने का अवसर दिया। उपद्रवियों की भारी क्षति हुई तथा घबराहट में वे भाग खड़े हुये। कैप्टन तनवार ने स्वयं एक उपद्रवी को अपनी स्टेन गन से मार गिराया।

इस मुठभेड़ में 12 उपद्रवी मारे गये तथा 20 घायल हुए। एक हल्की मशीन गन तथा काफी मात्रा में गोला बारूद और अन्य हथियार भी हाथ लगे।

सम्पूर्ण कार्यवाही में कप्तान महेन्द्र सिंह तनवार ने साहस, उदाहरणात्मक कर्तव्यपरायणता तथा उच्च कोटी के नेतृत्व का परिचय दिया।

3—जे०सी०-1719 सूबेदार शेर सिंह राम,

6 बटालियन राजपूताना राईफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—13 नवम्बर, 1964)

सूबेदार शेर सिंह राम एक कम्पनी के सैंकड कमाण्डर थे जिसे मनीपुर स्टेट में पाकिस्तान को जाते हुये उपद्रवियों को रोकने का कार्यभार सौंपा गया था।

13/14 नवम्बर, 1964 को जब कम्पनी कठिन तथा घने जंगली भूभाग से होते हुये शीघ्रता से बढ़ रही थी तो वह घात में बैठे सशस्त्र उपद्रवियों द्वारा घेर ली गयी। कम्पनी का वाहिना भाग हल्की मशीन गन तथा मार्टर की भारी गोलाबारी में आ गया। जब पूरी प्लाटून लड़ने में व्यस्त थी, सूबेदार राम को आदेश हुआ कि वह आक्रमण कर उपद्रवियों की हल्की मशीन गन को शांत करें। उस समय घोर अंधेरा था और सम्पूर्ण क्षेत्र में गोलियों की बौछार हो रही थी। उपद्रवियों की हल्की मशीन गन के स्थान के लिये जाने वाला रास्ता दल-दल तथा कहीं-कहीं पर कमर तक पानी

से भरे हुये नाले से हो कर था। अपने थोड़े से साथियों का साहस बढ़ाते हुये तथा अपनी सुरक्षा की चिन्ता किये बिना सूबेदार राम आगे बढ़े और मशीन गन से 15 गज की दूरी पर पहुंच गये। सूबेदार राम तब अपने जवानों को लेकर आगे बढ़े तथा स्वयं 2 उपद्रवियों को, जो उस हल्की मशीन गन को चला रहे थे, अपनी स्टेन गन से मार गिराया और मशीन गन को अपने अधिकार में कर लिया।

इस कार्यवाही में सूबेदार शेर सिंह राम ने साहस, निश्चय तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

दिनांक 6 अक्टूबर 1965

सं० 79-प्रेज/65—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री महेश सिंह,

कान्स्टेबल सं० 711,

'बी' कम्पनी, 2री बटालियन,

विशेष सशस्त्र दल, ग्वालियर,

मध्य प्रदेश।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

3 सितम्बर 1964 को सूचना मिली कि उसी रात को छोटे सिंह डाकू का गिरोह कोंधी-की-मड़िया आयेगा। कम्पनी कमांडर राम निवास दूबे के अधीन एक पुलिस दल को गिरोह को मार्ग में रोकने के लिये भेजा गया। दल को दो टुकड़ियों में बांट दिया गया और उन्हें तीन ऐसे भागों में छिपा दिया गया जहां से डाकूओं के गुजरने की संभावना थी। रात्रि के लगभग 10-30 बजे आठ डाकू उस स्थान पर आये जहां कान्स्टेबल महेश सिंह तथा कम्पनी कमांडर पहले पर थे। जब डाकू नजदीक आये, कान्स्टेबल महेश सिंह ने उन्हें खलकारा, जिसके फलस्वरूप डाकूओं ने गोलियां चलाना शुरू कर दीं। कान्स्टेबल महेश सिंह ने जवाब में गोलियां चलाईं और हल्की मशीनगन पुलिस चालक को डाकूओं पर गोली चलाने के लिये चिल्ला कर कहा। किसी कारणवश उस की हल्की मशीनगन में अचानक खराबी आ जाने की वजह से गोली नहीं चलाई जा सकी। इसका लाभ उठाकर, डाकूओं ने एक साथ मिल कर भाग निकलने का प्रयास किया। एक ओर तो कान्स्टेबल महेश सिंह के सामने हल्की मशीनगन चालक तथा अपने हथियारों की रक्षा का कार्य सामने था और दूसरी ओर उसी समय डाकूओं के बच कर भाग निकलने को रोकने का सवाल था। ऐसे संकट के समय, कान्स्टेबल महेश सिंह ने अपनी आड़ के स्थान को छोड़ दिया और पुलिस दल के अन्य सदस्यों को डाकूओं पर गोलियां चलाने के लिये चिल्लाया। इस साहसपूर्ण कार्य ने डाकूओं को हतोत्साह कर दिया जो वहां से बच निकलने का प्रयत्न करने लगे। कान्स्टेबल महेश सिंह ने उनमें से एक डाकू का पीछा किया और उसे गोली से उड़ा दिया। जब वह दूसरे डाकू से निबटने के लिये मुड़ रहा था, वह एक डाकू द्वारा, जो कुछ दूरी पर छिपा हुआ था, गोली लगने से मारा गया।

इस मुठभेड़ में, कान्स्टेबल महेश सिंह ने उत्कृष्ट वीरता, पहल-शक्ति और सर्वोच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुये अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी 3 दिसम्बर 1964 से दिया जायगा।

सं० 80-प्रेज/65—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राजेन्द्र सिंह,

हैड कान्स्टेबल,

सिविल पुलिस, आगरा, जिला,

उत्तर प्रदेश।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

14 सितम्बर, 1964 को सुबह मालपुरा थाने के उप-निरीक्षक प्यारे लाल शर्मा को गन्ने के एक खेत में कुख्यात डाकू गिरराज की मौजूदगी की सूचना प्राप्त हुई। श्री शर्मा ने उपलब्ध दल को एकत्रित किया और हैड कान्स्टेबल राजेन्द्र सिंह, तीन बन्दूक लायसेंस-सधारियों तथा चार अन्य ग्रामीणों के साथ मौके की तरफ दौड़े। नहर के पुल पर पहुंच कर पुलिस टुकड़ी को दो भागों में बांट दिया गया। हैड कान्स्टेबल राजेन्द्र सिंह के अधीन एक टुकड़ी गिरोह को खेत के पश्चिम की तरफ घेरने को नियुक्त की गई जबकि दूसरी टुकड़ी उप-निरीक्षक के अधीन खेत के दूसरी ओर गयी। पुलिस द्वारा ललकारे जाने पर डाकू गन्ने के खेत के अन्दर भागे और पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस ने जबाब में गोली चलाई। पुलिस की छोटी टुकड़ी को एक बड़े क्षेत्र में फैलना पड़ा, जिसके फलस्वरूप डाकू घेरे में से निकलने में कामयाब हो गये। डाकू सरदार गिरराज को बच निकलते देख कर हैड कान्स्टेबल राजेन्द्र सिंह ने अपने 12 बोर बन्दूक से उस पर गोली चलाई किन्तु दुर्भाग्यवश दोनों कार्टूस टुस करके रह गये। इसकी परवाह न करते हुए श्री राजेन्द्र सिंह ने वीरतापूर्वक अपनी बन्दूक से गिरोह के सरदार पर चोट करने का प्रयत्न किया। मुठभेड़ में बन्दूक का दस्ता टूट गया और नालें गिर पड़ीं। हैड कान्स्टेबल राजेन्द्र सिंह को तब डाकूओं ने दबोच लिया और तबतक बुरी तरह उसे पीटा जबतक वह बेहोश होकर न गिर गया। हालांकि उसे एस० एन० अस्पताल में ले जाया गया, किन्तु चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

हैड कान्स्टेबल राजेन्द्र सिंह ने महान साहस तथा उच्च कोटी की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया और कर्तव्य-पालन में अपने प्राण भी न्योछावर कर दिये।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 सितम्बर 1964 से दिया जायगा।

सं० 81-प्रेज/65—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री श्रीकृष्ण यादव,

उप पुलिस निरीक्षक,

आगरा जिला,

उत्तर प्रदेश।

श्री रमेश पाल सिंह,

उप पुलिस निरीक्षक,

आगरा जिला,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

13 मई 1964 को श्री श्रीकृष्ण यादव को सूचना मिली की कुख्यात डाकू फूल सहाय के गिरोह ने खिपोना घाट पर चम्बल को पार किया था। श्री यादव ने तुरन्त उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के साथ लगने वाले सभी इलाकों के थाना अधिकारियों

को सतर्क कर दिया और स्वयं श्री रमेश पाल सिंह और 11 कान्स्टेबलों के साथ हतकन्त घाट की ओर चल पड़े। रात के तीन बजे एक और सूचना मिली कि उस गिरोह ने गांव पुरा कारी में डाका डालना था। लगभग इसी समय बाह के मण्डल अधिकारी एक पुलिस दल के साथ हतकन्त घाट पर पहुंच गये। सम्मिलित पुलिस दल को दो टुकड़ियों में बांट दिया गया—एक टुकड़ी श्री यादव और श्री सिंह के नेतृत्व में बड़ा-खार के खड्डों में से हो कर गांव पुरा कारी की ओर गयी जबकि दूसरी टुकड़ी एक अन्य मार्ग से उसी गांव की ओर रवाना हुई।

लगभग 4.00 बजे प्रातः जब श्री यादव और श्री सिंह के अधीन टुकड़ी गहरे खड्डों में थी तो एक हल्की-सी आवाज डाकुओं को सतर्क करती हुई सुनी गई। श्री यादव और श्री सिंह ने पुलिस टुकड़ी को इशारा दिया और सतर्कता से आगे बढ़े। इसके थोड़ी देर बाद ही डाकुओं ने गोली चलाना शुरू कर दिया। पुलिस दल ने जवाब में गोलियां चलाई। दोनों ओर से गोलीबारी के बावजूद, श्री यादव और श्री सिंह रेंगते हुए डाकुओं की स्थिति की ओर बढ़े। पुलिस ने रोशनी वाले कारतूस छोड़े जिससे पता चला कि कुछ डाकू निकल भागने का प्रयत्न कर रहे थे। श्री यादव तथा श्री सिंह ने डाकुओं का पीछा किया हालांकि उन्हें स्वयं को महान संकट में डालना पड़ा। पीछे हटते हुये डाकुओं पर दोनों ने नजदीक से गोली चलाई और गिरोह के सरदार फूल सहाय तथा उसके एक साथी को मार गिराया। अन्य डाकू अन्धकार में किसी प्रकार बच निकले। इस मुठभेड़ के पश्चात् एक लड़के को बचा लिया गया जो डाकुओं द्वारा अपहृत किया गया था और दो बन्दूकें तथा बहुत से कारतूस पुलिस के हाथ लगे।

इस मुठभेड़ में श्री श्रीकृष्ण यादव तथा श्री रमेश पाल सिंह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की तनिक परवाह किये बिना असाधारण वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी 14 मई 1964 से दिया जायगा।

सं० 82-प्रेज/65—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सोहन सिंह,
कान्स्टेबल सं० 196,
भिंड जिला,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

13 मार्च 1965 की सुबह भिंड जिले में लहर के थाना अधिकारी को यह सूचना मिली कि कटघरा गांव के एक मकान में डाकू छोटा काछी का गिरोह मौजूद था। थाना अधिकारी ने तुरन्त उपलब्ध पुलिस दल को ले कर उस गांव को घेर लिया। जब पुलिस दल गांव में घुस रहा था, तब डाकू ने उन्हें देख लिया और उन पर एक गोली चला कर मकान की दीवार फांद कर एक दूसरे मकान में शरण ली। थाना अधिकारी ने भीघ्र ही मकान से बाहर निकलने के सभी रास्तों पर अपने दल को पहरे पर लगा दिया। एक मुख्य कान्स्टेबल तथा दो कान्स्टेबलों को मकान में प्रवेश करने के लिए तैनात किया गया। उनके मकान में प्रविष्ट होते ही, डाकू ने जो भट्टी के एक बर्तन के पीछे छिपा हुआ था गोली दाग दी और मुख्य कान्स्टेबल पर उसकी टी० एम० सी० छीनने के विचार से झपटा। डाकू टी० एम० सी० के छोड़े पर उंगली रखने में सफल हो गया और एक गोली दाग दी। जब मुख्य कान्स्टेबल और डाकू टी० एम० सी० के लिए घोर संघर्ष

में लगे हुए थे, दोनों कान्स्टेबल सहायता के लिए पुकारते हुए कमरे के बाहर भागे। इस अवसर पर कान्स्टेबल सोहन सिंह, जो दरवाजे पर पहरा दे रहा था, कमरे की ओर भागा और डाकू के सिर के पीछे एक सख्त चोट की। डाकू ने तब टी० एम० सी० छोड़ दी और कान्स्टेबल सोहन सिंह पर हमला किया। एक जबरदस्त हाथा-पाई शुरू हुई। जब कान्स्टेबल सोहन सिंह डाकू पर काबू पाने वाला था, तब डाकू ने, जिसके पास 12 बोर पिस्तौल थी, कान्स्टेबल सोहन सिंह के शरीर पर पिस्तौल दबाई और घोड़ा दबा दिया। गोली ने कान्स्टेबल सोहन सिंह के कुल्हे को छेदते हुये एक गहरा घाव कर दिया इस गहरे घाव की परवाह किये बिना कान्स्टेबल सोहन सिंह मुख्य कान्स्टेबल अवध बिहारी पांडे की सहायता से डाकू को काबू करने में सफल हो गए जिसने डाकू पर एक गोली चलाई। चोटों के कारण डाकू की शीघ्र मृत्यु हो गई।

इस मुठभेड़ में कान्स्टेबल सोहन सिंह ने उत्कृष्ट वीरता, पहलशक्ति और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (I) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी 13 मार्च 1965 से दिया जायगा।

सं० 83-प्रेज/65—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री फतियाह,
कान्स्टेबल सं० 636,
1ली बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
इन्दौर, मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

10 अगस्त 1964 को भिंड जिले में अटेर के थाना अधिकारी को विश्वस्त सूत्र से सूचना मिली कि कुख्यात डाकू गिरदावालिया, छिरियापुरा तथा कड़े-का-पुरा के बीच में कहीं छिपा हुआ था। थाना अधिकारी ने अटेर में उपलब्ध पुलिस को तुरन्त एकत्रित किया और उस क्षेत्र की ओर गए। उन्होंने इस दल को तीन टुकड़ियों में बांट दिया। दो टुकड़ियों को सुरपुरा और छिरि-पुरा गांवों के समीप घात में बैठने के लिए तैनात किया गया। तीसरी टुकड़ी को कड़े-का-पुरा गांव और उन गांव के बीच के क्षेत्र में इस विचार से भेजा कि डाकुओं के गिरोह की खोज कर उन्हें घात में बैठी पुलिस टुकड़ियों की ओर बढ़ने के लिए विवश होना पड़े। कान्स्टेबल फतियाह को जो खोज टुकड़ी में था, आभास हुआ कि कुछ व्यक्ति दुबक कर बैठे हैं। वह सतर्कता से संदिग्ध व्यक्तियों से तीन गज दूरी तक आगे बढ़ा और उन्हें सलकारा। इस पर डाकू गिरदावालिया अपनी 303 राइफल लेकर झपटा और कान्स्टेबल फतियाह पर तीन गोलियां चलाई। कान्स्टेबल फतियाह ने भी जवाब में गोली चलाई और गिरदावालिया को घायल कर दिया जो मोर्चा छोड़ गया किन्तु ऐसा करते हुए भी उसने पुलिस दल पर गोली चलाना जारी रखा। कान्स्टेबल फतियाह अपनी आड़ के स्थान से बाहर कूद पड़ा और डाकुओं का पीछा किया। गिरोह ने एक खेत की मेड़ के पीछे आड़ ली और एक जबरदस्त मुठभेड़ शुरू हुई। इस तथ्य के बावजूद कि वह डाकुओं से खुले में 25 गज की दूरी पर था, कान्स्टेबल फतियाह ने डाकुओं पर गोलीबारी जारी रखी और उन्हें अपनी उस आड़ के स्थान से बाहर निकलने पर विवश कर दिया। श्री फतियाह ने तब अपनी सहायक पुलिस टुकड़ी के साथ उन पर गोलियां चलाई तथा डाकू गिरदावालिया को गोली से उड़ा दिया और उसके एक साथी को मार दिया। इस मुठभेड़ में एक तीसरे डाकू को भी गोली से उड़ा दिया।

खतरनाक डाकुओं के गिराह के साथ इस मुठभेड़ में, कान्स्टेबल फतियाह ने असाधारण साहस, उत्कृष्ट वीरता तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 अगस्त 1964 से दिया जाएगा।

सं० 84-प्रेज/65—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दोरैस्वामी मुधुस्वामी,
पुलिस कान्स्टेबल सं० 450,
विजयवाड़ा जिला रेलवे पुलिस,
आन्ध्र प्रदेश। (स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

9 मार्च 1964 को करीब आधी रात के समय एक पागल व्यक्ति ने रेनीगंटा रेलवे स्टेशन पर एक टिकट कलक्टर पर 6 इंच लम्बे चाकू से हमला कर दिया। सौभाग्य से चाकू टिकट कलक्टर के हाथ में पकड़ी किताब पर लगा। पागल व्यक्ति ने तब रेलवे पुलिस के एक कान्स्टेबल पर हमला किया जो यात्रियों के अन्दर आने के रेलवे फाटक पर ड्यूटी पर था। कान्स्टेबल मुधुस्वामी, जो रेलवे स्टेशन की गारद ड्यूटी से छूटा था, गड़बड़ी की आवाज सुन कर स्थल की ओर भागा और कान्स्टेबल को घोंपने के लिए चाकू ऊपर किए हुए उस व्यक्ति के हाथ में देखा। अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना, कान्स्टेबल मुधुस्वामी उस पर झपटा और उसके हाथ से चाकू छीनने के लिए उससे उलझ गया। किन्तु पागल व्यक्ति ने कान्स्टेबल मुधुस्वामी की छाती में चाकू घोंप दिया और इसके थोड़ी देर बाद ही कान्स्टेबल मुधुस्वामी की घाव के कारण मृत्यु हो गई।

पुलिस कान्स्टेबल दोरैस्वामी मुधुस्वामी ने एक सशस्त्र विकृत-मस्तिष्क व्यक्ति को पकड़ने के प्रयत्न में महान् साहस का प्रदर्शन किया और अपने साथी की जीवन-रक्षा करने में अपने प्राणों को उत्सर्ग कर दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी 9 मार्च 1964 से दिया जाएगा।

सं० 85-प्रेज/65—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मिक्किलिनेनि गोपाल राव,
उप पुलिस निरीक्षक,
गुन्टूर जिला,
आन्ध्र प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

17 नवम्बर 1964 को एक उत्पाती व्यक्ति जिसे एक तह-सीलदार का अपमान करने पर जुर्माना तथा सजा हुई थी, जूडीशियल मजिस्ट्रेट, तनाली के चैम्बर में जबर्दस्ती घुस गया। उसने मजिस्ट्रेट पर हमला करने के विचार से छुरा निकाल लिया। यह देख कर अदालत का चपरासी तथा अन्य उपस्थित व्यक्ति चैम्बर से बाहर सहायता के लिए चिल्लाते हुए भागे। शोर सुन कर, सब-जेल का वार्डर चैम्बर में गया किन्तु आक्रामक ने उसे ठोकर मार कर नीचे गिरा दिया। वह उत्पाती व्यक्ति मजिस्ट्रेट पर छुरे से प्रहार

करने ही वाला था, जब उप-निरीक्षक श्री मिक्किलिनेनि गोपाल राव चैम्बर में दौड़ा हुआ आया। बिना शस्त्र के होते हुए वह उससे भिड़ गया और उसे जमीन पर गिरा दिया और संघर्ष के बाद उसे निःशस्त्र करने में सफल हो गया।

उप-निरीक्षक मिक्किलिनेनि गोपाल राव ने स्वयं पर महान् संकट लेकर उत्कृष्ट वीरता तथा कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन करते हुए सशस्त्र आक्रामक पर काबू पाकर मजिस्ट्रेट के जीवन को बचा लिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 17 नवम्बर 1964 से दिया जाएगा।

सं० 86-प्रेज/65—राष्ट्रपति, मद्रास पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मुधुस्वामी पिल्ले जोर्ज,
हैड कान्स्टेबल सं० 241,
मशस्त्र आरक्षण, सेलम जिला,
मद्रास।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

10 फरवरी 1965 को लगभग 500 छात्रों ने जुलूसों पर लगे प्रतिबन्ध सम्बन्धी आदेश का विरोध करते हुए कोमारपालयम् में एक जुलूस निकाला। जुलूस में एक और बड़ी भीड़ भी शामिल हो गई और रास्ते में एक स्थानीय पोस्ट आफिस को क्षति पहुंचाते हुए कावेरी पुल की ओर बढ़ी। एक छोटे पुलिस दल जिसमें हैड कान्स्टेबल जोर्ज भी सम्मिलित था, जुलूस का पीछा किया। कावेरी पुल पर पहले ही एक बहुत बड़ी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठी-चार्ज किया गया था। छोटे पुलिस दल पर सभी ओर से भीड़ ने हमला कर उन्हें एक दूसरे से अलग कर दिया। उपद्रवियों का एक दल एक कान्स्टेबल को लकड़ियों के एक टाल के समीप उसे जीवित जला देने के विचार से खींच कर ले गया। स्वयं पर महान् संकट लेकर, हैड कान्स्टेबल जोर्ज, टाल में तुरन्त गया और कान्स्टेबल को बचा लिया।

दोपहर-बाद, भीड़ के एक भाग ने पुलिस थाने पर दो बार हमला किया और उसे जला देने का प्रयास किया। भीड़ ने साइकलों को तोड़-फोड़ डाला, आग के गोले तथा डाइनेमाइट के टुकड़े फेंके। हैड कान्स्टेबल जोर्ज ने बचे हुए पुलिस दल को एकत्रित किया और कुमुक पहुंचने तक थाने पर डटे रहे।

श्री मुधुस्वामी पिल्ले जोर्ज ने अत्यन्त संकटकाल स्थिति में नेतृत्व, साहस तथा कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 फरवरी 1965 से दिया जाएगा।

सं० 87-प्रेज/65—राष्ट्रपति, मद्रास पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री धर्मलिंग थेवर चिन्थामाथार,
हैड कान्स्टेबल सं० 460,
तिरुनेलवेली जिला,
मद्रास।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

6 मार्च 1964 को लगभग प्रातः 10-40 बजे टूटीकोरिन में दो स्थानीय गुटों में झगड़ा हो गया जिसमें ईंट-पत्थरों तथा अन्य मिसाइलों का दोनों दलों की ओर से खूब कर प्रयोग किया गया। जब झगड़े ने भयंकर रूप धारण कर लिया तो भीड़ में से एक आदमी नजदीक के थाने की ओर भागा और इस झगड़े के सम्बन्ध में हैड कान्स्टेबल धर्मलिंग थेवर चिन्तामाथार को सूचना दी। हैड कान्स्टेबल चिन्तामाथार जो कि मफती में था, फौरन घटना-स्थल की ओर दौड़ कर आया और दोनों गुटों से झगड़ा बन्द करने का अनुरोध किया। जब श्री चिन्तामाथार इन गुटों को शांत करने की चेष्टा कर रहा था, तो उसने देखा कि एक व्यक्ति हंसुण से अपने एक विरोधी पर बार करने जा रहा है। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, हैड कान्स्टेबल स्वयं इन दोनों के बीच आ गया। हंसुण का बार उसकी बाईं बांह पर पड़ा और उसे लगभग अलग कर दिया।

हैड कान्स्टेबल धर्मलिंग थेवर चिन्तामाथार ने एक व्यक्ति के जीवन की रक्षा करने हेतु बीच में पड़ कर परिणामस्वरूप अपनी बाईं बांह के उपयोग को खो कर उत्कृष्ट वीरता तथा कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी 6 मार्च 1964 से दिया जाएगा।

व० जे० मोर, उपसचिव

राजधानी आयोग

(योजना कार्य समिति)

प्रस्ताव**राजधानी-क्षेत्र परिवहन पर अध्ययन दल**

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 अक्टूबर 1965

सं० यो० का० सं०/प्रशासन/14(1)/65—राजधानी-क्षेत्र परिवहन की समस्याएं हाल के वर्षों में गंभीरता से बढ़ गई हैं और विशेषकर कलकत्ता, बम्बई, मद्रास और दिल्ली के नगरों में वे अधिकाधिक जटिल और तुरंत हो गई हैं। एक बड़े नगर में समूह परिवहन की आवश्यकताएं बहुत बड़ी मात्रा में, नगरीय विकास की भावी योजना के रूप और निर्देश और औद्योगिक और अन्य क्रिया-कलाप की स्थिति के साथ जुड़ी हुई हैं। राजधानी-क्षेत्र परिवहन की समस्याओं का हाल के वर्षों में, विदेशों में गहन अध्ययन किया गया है और बाहर के अनुभवों का भी लाभ उठाया जा सकता है। अतः योजना कार्य समिति योजना आयोग ने 23 सितम्बर 1965 से राजधानी-क्षेत्र परिवहन पर, अध्ययन की स्थापना की है। अध्ययन दल कलकत्ता में राजधानी-क्षेत्र परिवहन की समस्याओं का अध्ययन आरंभ करेगा और फिर बाद में अन्य नगरों के ऐसे ही अध्ययन करेगा।

2. अध्ययन दल का गठन इस प्रकार होगा :—

नेता

1. श्री पी० एच० शर्मा,

भूतपूर्व महाप्रबन्धक,

उत्तरी रेलवे और

सदस्य, रेलवे दर अधिकरण।

सदस्य

2. श्री ए० वी० डा कोस्टा,

सेवामुक्त मुख्य इंजीनियर,

केन्द्रीय रेलवे।

3. श्री गोवर्धन लाल,

अतिरिक्त परामर्शदाता इंजीनियर,

परिवहन मंत्रालय।

4. श्री के० के० नम्बीयार,
एम्प्रेसिण्टिड सीमेंट कम्पनियां।

5. श्री के० ए० खान,
महाप्रबन्धक,
भारत पर्यटन निगम,
परिवहन मंत्रालय।

6. श्री के० एल० लूथरा,
निदेशक,
परिवहन प्रभाग,
योजना आयोग।

7. डा० वी० जी० भाटिया,
निदेशक,
परिवहन अनुसंधान,
परिवहन मंत्रालय।

8. श्री बी० जी० फर्नेंडिस,
नगर और ग्राम आयोजक,
नगर और ग्राम आयोजना संगठन,
स्वास्थ्य मंत्रालय।

श्री एस० बी० सह्रिया योजना आयोग अध्ययन दल के सचिव होंगे।

3. दल का विचारार्थ विषय यह होगा :—

(1) कलकत्ता, बम्बई, मद्रास और दिल्ली के नगरों में वर्तमान आवश्यकताओं के विषय में मौजूदा परिवहन सुविधाओं की पर्याप्तता और परिसीमा/वृद्धियों का मूल्यांकन करना। इसमें सड़कें, सड़क परिवहन और रेल परिवहन भी शामिल हैं।

(2) राजधानी-क्षेत्र विकास और औद्योगिक, वाणिज्य और अन्य क्रिया-कलाप की सम्पूर्ण योजनाओं को ध्यान में रखते हुए, इन नगरों में यात्री और माल परिवहन की दीर्घकालीन आवश्यकताओं को निर्धारित करना।

(3) परिवहन के विभिन्न माध्यमों के लिए आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से अनेक प्रस्तावों की शक्यता का अध्ययन करना और लागतों और बापसियों के अनुमानों, वित्तीय सहायता देने की विधियों और कार्यान्वयन की योजना सहित, आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए क्रमबद्ध कार्यक्रमों की सिफारिश करना।

(4) राजधानी-क्षेत्र परिवहन सेवाओं के परिचालन के लिए, समुचित प्रशासनिक और अन्य प्रबन्धों को प्रस्तावित करना।

(5) यथा आवश्यक अन्य सिफारिशें करना।

4. अध्ययन-दल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा यद्यपि सदस्य और उसके कर्मचारियों का मुख्यालय, योजना कार्य समिति, के विवेकाधीन किसी अन्य स्थान पर नियत किया जा सकता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि प्रस्ताव को जनसाधारण की सूचना के लिए भारतीय राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जे० एम० किचलू, सचिव

योजना कार्य समिति

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1965

सं० 8/27/65-सी० एस० (II)—जी० एस० आर० 20
फरवरी, 1965 के भारत के गजट के भाग-I खण्ड-I में
प्रकाशित दिनांक 20 फरवरी, 1965 की अधिसूचना सं०

7/7/64-सी० एम० (ए०) में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित संशोधन किया जाता है अर्थात्—उक्त अधि-सूचना के नियम 18 के स्थान पर निम्नलिखित नियम लागू होगा अर्थात् :—

“18. इस परीक्षा के परिणाम पर जो भी नियुक्ति होगी उनमें यह शर्त रहेगी कि यदि किसी उम्मीदवार ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा समय-समय पर ली जाने वाली अंग्रेजी अथवा हिन्दी की टाईपराइटिंग परीक्षा पहले ही नहीं पास कर ली है और यदि वह अपनी नियुक्ति के एक वर्ष के भीतर उक्त परीक्षा नहीं पास कर लेगा तो उसे वार्षिक वेतन वृद्धि तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि वह परीक्षा पास न कर ले। इस परीक्षा में अंग्रेजी टाईपराइटिंग की कम से कम गति प्रति मिनट 30 और हिन्दी टाईपराइटिंग में प्रति मिनट कम से कम 25 शब्दों की होगी।

यदि कोई उम्मीदवार उपरोक्त टाईपराइटिंग परीक्षा अपनी परिवीक्षावधि में पास नहीं करता तो उसकी सेवा समाप्त भी की जा सकती है।

टिप्पणी :—कोई उम्मीदवार जो इस परीक्षा के परिणाम पर नियुक्त किया जाता है और उसने संघ लोक सेवा आयोग की टाईपराइटिंग परीक्षा पहले ही पास कर ली है अथवा अपनी नियुक्ति के 6 महीने के भीतर पास कर लेता है तो उसे पहली वेतन वृद्धि एक साल की सेवा की जगह 6 महीने के बाद ही दी जाएगी। बाद में यह वेतन वृद्धि उसकी नियमित वेतन वृद्धियों में मिला दी जाएगी।

के० त्यागराजन, अवसर-सचिव

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1965

संकल्प

सं० एफ० 8(19)-एन० एस०/65—राष्ट्रीय बचत केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड को, जिसका गठन भारत सरकार के 22 सितम्बर, 1964 के संकल्प संख्या एफ० 8(7)-एन० एस०/64 के अनुसार किया गया था, 1 सितम्बर, 1965 से 2 वर्ष की और अवधि के लिए निम्नांकित सदस्यों को लेकर पुनर्गठित किया गया है :—

अध्यक्ष

श्री बी० आर० भगत,

योजना मंत्री और वित्त मंत्रालय के राज्य मंत्री

सदस्य

- (1) श्रीमती सुचेता कृपलानी,
मुख्य मंत्री तथा अध्यक्ष, राष्ट्रीय बचत राज्य सलाह-कार, बोर्ड
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- (2) श्री राम किशन,
मुख्य मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
पंजाब, चंडीगढ़।
- (3) श्री पी० के० कौल,
वित्त मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
राजस्थान, जयपुर।

- (4) श्री डी० पी० मिश्र,
मुख्य मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
मध्य प्रदेश, भोपाल।
- (5) श्री एम० भक्तवत्सलम,
मुख्य मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
मद्रास, मद्रास।
- (6) श्री होमी जे० एच० तेलियारखान,
असैनिक संभरण, आवासन, मीनक्षेत्र, मुद्रणालयों,
अल्प बचत और पर्यटन के मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
महाराष्ट्र, बम्बई।
- (7) श्री एम० एन० लक्ष्मीनरसैया,
पंचायत राज मंत्री और अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।
- (8) श्री राम कृष्ण हेगडे,
वित्त मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
मैसूर, बंगलौर।
- (9) श्री नीलमणी राउते,
राजनीतिक सेवा मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
उड़ीसा, भुवनेश्वर।
- (10) श्रीमती पूरबी मुखोपाध्याय,
वित्त (छोटी बचत) और गृह (जेल और समाज कल्याण) की कार्यभारी मंत्री, तथा अध्यक्ष
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
पश्चिम-बंगाल, कलकत्ता।
- (11) श्री जी० एल० डोगरा,
वित्त मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर।
- (12) श्री अम्बिका शरण सिंह,
वित्त मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
बिहार, पटना।
- (13) श्री आ० जी० बरूआ,
अध्यक्ष, राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
असम ट्रिब्यून, गौहाटी, असम।
- (14) श्री एन० ई० एस० राघवाचारी,
राज्यपाल के सलाहकार तथा अध्यक्ष,
राष्ट्रीय बचत राज्य सलाहकार बोर्ड,
केरल, त्रिवेन्द्रम।
- (15) महामान्या महारानी पटियाला,
संसद् सदस्य,
मोती बाग, पटियाला।
- (16) श्रीमती शारदा मुखर्जी,
संसद् सदस्य,
8-ए मफ्तलाल पार्क, भूलाभाई देसाई रोड,
बम्बई-26।
- (17) श्रीमती रामदुलारी सिन्हा,
संसद् सदस्य,
10, मीना बाग, नयी दिल्ली।

- (18) कुमारी ए० एम० नंदकर्णी,
सीतल महल, सीतल बाग, बलकेश्वर रोड,
बम्बई-6।
- (19) बेगम अली जहीर,
“अलैया”
9, क्लाइड रोड, लखनऊ।
- (20) श्रीमती इन्दिरा रामादुरै,
14/1-IV स्ट्रीट, अभिरामपुरम,
मद्रास।
- (21) डाक्टर विजय लक्ष्मी,
121-बी० सैन्योमी हाई रोड,
मद्रास-4।
- (22) बेगम मफीदा अहमद,
जोरहाट,
असम।
- (23) श्री एन० पी० दामोदरन,
डाकघर नत्तूर, तेल्लीचेरी,
(केरल)।
- (24) श्री ए० एन० बुच,
सूती कपड़ा श्रमिक संघ,
भादरा, अहमदाबाद-1।
- (25) श्री बी० डी० पांडे,
अध्यक्ष,
बचत संग्रह बोर्ड,
नई दिल्ली।
- (26) श्री एम० एल० खैतान,
30 थियेटर रोड,
कलकत्ता।
- (27) डा० ए० के० दास गुप्ता,
स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज,
दिल्ली।
- (28) सचिव, भारत सरकार,
सूचना और प्रसारण मंत्रालय,
नई दिल्ली।
- (29) सचिव, भारत सरकार,
सामुदायिक विकास और सहकारिता (सामुदायिक
विकास विभाग)
मंत्रालय,
नई दिल्ली।
- (30) महा-निदेशक,
डाक-तार विभाग,
नई दिल्ली।
- (31) राष्ट्रीय बचत आयुक्त (कमिश्नर),
पोस्ट बाक्स सं० 96,
नागपुर।

2. बचत संग्रह बोर्ड के सचिव श्री के० वी० मांडलेकर,
राष्ट्रीय बचत केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड के सचिव के रूप में भी
काम करेंगे।

3. बोर्ड नीचे लिखे काम करता रहेगा :—

- (1) राज्य सलाहकार बोर्डों के कार्यों का समन्वय और
उनका मार्गदर्शन;
- (2) देश में राष्ट्रीय बचत आंदोलन को फैलाने के
आवश्यक उपाय और छोटी बचत योजना को लोक-
प्रिय बनाने के साधनों के सम्बन्ध में सरकार को
सहायता और सलाह देना; और

- (3) राष्ट्रीय बचत आंदोलन से सम्बद्ध संगठनात्मक
और प्रकाशन सम्बन्धी विशेष विषयों के बारे में
सरकार को सलाह देना।

आदेश

आदेश है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि :

- (1) सभी राज्य सरकारों के वित्त सचिवों,
(2) सभी महालेखापालों,
(3) बोर्ड के अध्यक्ष और सभी सदस्यों,
(4) संसद् विषयक विभाग को भेज दी जाए।

यह भी आदेश है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह
संकल्प, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए० आर० शिराली, संयुक्त सचिव

नयी दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1965

सं० एफ० 8 (19)—एन० एस०/65—सी—30, नेहरू नगर,
बंगलौर-20 की श्रीमती लीलादेवी आर० प्रसाद को, भारत
सरकार (वित्त मंत्रालय) के 27 सितम्बर 1965 के संकल्प संख्या
एफ० 8 (19)—एन० एस०/65 में घोषित, पुनर्गठित राष्ट्रीय
बचत केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड की सदस्यता नियुक्त किया गया
है।

बी० एस० राजगोपालन, अनुसचिव

बाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1965

सं० 12/2/65—ई० प्रा०—भारत सरकार रक्षा नियम
1962 के नियम 133—बी० के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह आदेश देती है
कि भारत में पाकिस्तानी नागरिकों की जो अचल सम्पत्ति है,
उनके अधिकार में है अथवा उनकी ओर से प्रबन्धित है वह सब तत्काल
ही भारत के शत्रु सम्पत्ति परिरक्षक के अधिकार में चली जायगी।

2. इस अधिसूचना की कोई बात ऐसी किसी भी सम्पत्ति पर
लागू नहीं होगी जो पाकिस्तान सरकार के भारत स्थित विभिन्न
दूतावासों में काम करने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की होगी,
उनके अधिकार में होगी अथवा उनकी ओर से प्रबन्धित होगी।

आदेश सं० 1/65

सं० 15/4/61—ई० प्रा०—भारत रक्षा नियम 1962
के नियम 131—ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई
केन्द्रीय सरकार समस्त वस्तुओं का आयात तथा निर्यात, प्रत्यक्ष
अथवा अप्रत्यक्ष रूप से, भारत के किसी भी बन्दरगाह अथवा स्थान
से पाकिस्तान के किसी भी बन्दरगाह अथवा स्थान को या से करने
का एतद्वारा निषेध करती है।

दिनांक 11 सितम्बर 1965

सं० 12/2/65—ई० प्रा०—भारत रक्षा नियम 1962
के नियम 133 बी० उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि
संलग्न अनुसूची में भारत स्थित जिन उन सम्पत्तियों का ब्योरा
दिया गया है जो पाकिस्तानी नागरिकों की हैं, उनके पास हैं अथवा
उनकी ओर से प्रबन्धित हैं, वे सब तत्काल ही भारत के शत्रु संपत्ति
परिरक्षक के अधिकार में चली जायेंगी।

2. इस अधिसूचना की कोई बात ऐसी किसी भारत स्थित
सम्पत्ति पर लागू नहीं होगी जो भारत स्थित पाकिस्तान सरकार के
विभिन्न दूतावासों में काम करने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की
है, उनके पास है अथवा उनकी ओर से प्रबन्धित है।

अनुसूची

1. समस्त लाकर और सेफ डिपॉजिट जो नीचे लिखे बैंकों के वास्टों में हैं :—

- (क) व्यापारी बैंक
- (ख) विनिमय बैंक
- (ग) बैंकिंग का काम करने वाला कोई भी निकाय अथवा व्यक्ति, और
- (घ) कोई भी ऐसा निकाय अथवा व्यक्ति जो लाकर किराये पर देता हो।

2. समस्त परक्राम्य पत्र, जैसे प्रामेसरी नोट, शेयर डिबेंचर तथा अन्य सरकारी ऋण पत्र।

3. समस्त पोत और बाहन जिन में आटोमोबाइल तथा विमान शामिल हैं।

दिनांक 13 सितम्बर 1965

सं० 12/2/65-ई० प्रा०—भारत रक्षा नियम 1962 के नियम 133—के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक अधिकारी श्री बी० आर० गदरे को शत्रु फर्मों के उप-नियन्त्रक, बम्बई के रूप में एतत्तद्वारा नियुक्त करती हैं।

2. श्री गदरे हबीब बैंक लि०, बम्बई नामक शत्रु फर्म के कार्यभारी का काम करेंगे।

सं० 12/2/65-ई० प्रा०—भारत रक्षा नियम 1962 के नियम 133—के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक अधिकारी श्री बी० के० घोष को शत्रु फर्मों के उप-नियन्त्रक, कलकत्ता के रूप में एतत्तद्वारा नियुक्त करती हैं।

2. श्री घोष नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान, कलकत्ता नामक शत्रु फर्म के कार्यभारी का काम करेंगे।

दिनांक 30 सितम्बर 1965

सं० 12/9/65-ई० प्रा०—भारत रक्षा नियम, 1962 के नियम 133 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार एतत्तद्वारा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 12/2/65-ई० प्रा०, दिनांक 13 सितम्बर 1965 में जिसके द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक अधिकारी श्री बी० के० घोष को नियन्त्रक शत्रु फर्म, कलकत्ता के पद पर नियुक्त किया गया था, निम्न संशोधन करती हैं :

उपर्युक्त अधिसूचना में पैरा 2 के स्थान पर नीचे दिया गया पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“2. श्री घोष पर नीचे लिखी शत्रु फर्मों का कार्यभार हटेगा, अर्थात् :—

- (1) नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान, कलकत्ता।
- (2) फरीदपुर बैंकिंग कारपोरेशन लि० कलकत्ता।

बी० डी० जयाल, संयुक्त सचिव

उद्योग तथा संभरण मंत्रालय**(उद्योग विभाग)****संकल्प**

नई दिल्ली, 17 सितम्बर 1965

सं० एल० ई० आई० (ए)-16(5)/64—भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के संकल्प सं० एल० ई० आई० (ए)-16(4)/58, तारीख 21 फरवरी 1961 का अधिलंघन करते हुए भारत सरकार ने चिकित्सा औजारों, उपकरणों एवं साधनों का विकास करने के लिए सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निश्चय किया है।

2. इस सलाहकार समिति के ये कार्य हैं :—

- (1) चिकित्सा और शल्य-चिकित्सा उपकरण एवं साधनों तथा सम्बद्ध वस्तुओं के निर्माण के विकास को बनाए रखना;
- (2) समय-समय पर उन नई वस्तुओं के बारे में सुझाव देना जिनका निर्माण किया जाना चाहिए; और
- (3) इस उद्योग के सभी पहलुओं के विकास से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह देना।

3. सलाहकार समिति में ये व्यक्ति होंगे :—

- (1) श्री बी० पी० एस० मेनन, अध्यक्ष
औद्योगिक सलाहकार,
तकनीकी विकास का महा-निदेशालय,
उद्योग तथा संभरण मंत्रालय,
नई दिल्ली।
- (2) कर्नल आर० डी० अय्यर, सदस्य तथा
चिकित्सा अधीक्षक, एकान्तर
सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली। अध्यक्ष
- (3) डा० पी० के० बोरोइस्वामी, सदस्य
चिकित्सा सर्जन, सफदरजंग अस्पताल,
नई दिल्ली।
- (4) डा० एस० के० सेन, एफ० आर० सी० सदस्य
एस०,
सेन नसिग होम, तिलक ब्रिज,
बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।
- (5) डा० पी० ए० मेनन, सदस्य
प्रमुख चिकित्सा अधिकारी,
दक्षिण रेलवे, मद्रास।
- (6) श्री के० एल० तलवार, ए० एस० डी०, सदस्य
सामान्य स्टोर का प्रमुख निरीक्षणालय,
प्रतिरक्षा मंत्रालय, पो० बा० नं० 127,
कानपुर।
- (7) ले० कर्नल एस० गोपालकृष्णन, सदस्य
प्रतिरक्षा मंत्रालय,
डी० जी० ए० एफ० एम० एस० का कार्यालय,
नई दिल्ली।
- (8) श्री बी० बी० एस० मूर्ति, सदस्य
सर्जिकल इन्स्ट्रूमेंट्स प्रोजेक्ट,
इण्डियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स,
लि०, नन्दाम्बकम स्ट्रीट,
थामस माउंट, मद्रास।
- (9) श्री ए० बी० राव, सदस्य
उप-निदेशक (उपभोक्ता उद्योग)
इण्डियन स्टैंडर्ड्स इन्स्टीट्यूशन,
मानक भवन, 9, बहादुरशाह जफर
मार्ग, नई दिल्ली-1।
- (10) श्री के० गंगय्या, सदस्य
उप सहायक महा निदेशक, स्वास्थ्य
सेवा का महा-निदेशालय, पटियाला
हाउस, नई दिल्ली।
- (11) श्री डी० मजूमदार, सदस्य
निदेशक (औद्योगिक विकास)
विकास आयुक्त का कार्यालय,
लघु उद्योग, उद्योग भवन, नई दिल्ली।

- (12) ब्रिगे० एन० एन० चौपड़ा, सदस्य
डी०आर०एण्ड डी० (जी)
उनकी अनुपस्थिति में
मेजर सोहन सिंह डी०ए०डी०
(जी०एस०) टी०डी०-9, प्रतिरक्षा
उत्पादन विभाग, डिफेन्स हेडक्वार्टर,
पो०आ०, नई दिल्ली-11।
- (13) श्री ए० के० मुकर्जी, सदस्य
चीफ एक्जीक्यूटिव-तकनीकी,
मे० इण्डियन आक्सीजन लि०
8/1 लूडन स्ट्रीट, कलकत्ता-16।
- (14) श्री महेश एम० शाह सदस्य
शाह मेडिकल एण्ड सर्जिकल कं०
लि०, 40, निर्माण सोसाइटी,
बड़ोदा-5।
- (15) श्री बी० कृष्णमूर्ति, सदस्य
विकास अधिकारी (इन्स्ट्रुमेंट्स)
तकनीकी विकास का महा-निदेशालय,
उद्योग भवन, नई दिल्ली।
- (16) कर्नल एम० शंखला, सदस्य
विकास अधिकारी, सचिव
चिकित्सा औजार निदेशालय,
तकनीकी विकास का महा-निदेशालय,
नई दिल्ली।

4. सलाहकार समिति की अवधि प्रारम्भ में दो वर्षों की होगी।

आदेश

आदेश दिया गया कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए और सर्व साधारण की जानकारी के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

संकल्प

दिनांक 17 सितम्बर 1965

सं० एल०ई०आई० (ए)-3(4)/64—भारत सरकार ने औजारों के विकास और उससे सम्बन्धित मामलों पर, जिनमें विशद रूप से निम्न वस्तुएं आती हैं, सरकार को सलाह देने के उद्देश्य से औजारों के लिए एक नामिका का गठन करने का निश्चय किया है:—

- (1) सभी वैज्ञानिक, सर्वेक्षण तथा चक्षु संबंधी औजारों जैसे माइक्रासकोप और सभी चक्षु संबंधी औजारों एवं कैमरों के लिए कांच;
- (2) औद्योगिक प्रक्रिया और नियंत्रण औजार जिनमें जस मापक मीटर, प्रेशर गेज इत्यादि सम्मिलित ह;
- (3) विद्युत धारा मापक यन्त्र, वोल्ट मापक यन्त्र, चरेसू काम में आने वाले मीटरों इत्यादि के वर्ग के विधुत औजार।

2. नामिका में ये व्यक्ति होंगे:—

- (1) डा० पी० एस० गिल, अध्यक्ष
निदेशक, केन्द्रीय वैज्ञानिक औजार
संगठन, 30-बे बिल्डिंग, सेक्टर-17,
चण्डीगढ़।
- (2) श्री ए० आर० रवि वर्मा, सदस्य
जनरल मैनेजर,
इन्स्ट्रुमेंटेशन लि०,
एनेक्सी सर्किट हाउस, कोटा।

- (3) श्री डी० सी० राय, सदस्य
डिप्टी वक्र्स मैनेजर,
नेशनल इन्स्ट्रुमेंट्स लि०,
जादवपुर, कलकत्ता-36।
- (4) श्री बी० नाथ, सदस्य
मैनेजिंग डायरेक्टर,
बेल्स एसबेस्टस एण्ड इंजीनियरिंग
(इण्डिया) प्राइवेट लि०,
24, चितरंजन एवेन्यू,
कलकत्ता-12।
- (5) श्री लक्ष्मी सागर, सदस्य
ओरियन्टल साइंस एपरेट्स वर्कशाप्स,
अम्बाला, छावनी।
- (6) डायरेक्टर, इन्स्ट्रुमेंट्स रिसर्च एण्ड सदस्य
डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट,
डिफेन्स रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट आर्ग-
नाइजेशन, वेहरादून।
- (7) श्री पी० वी० सुब्बाराव, सदस्य
द्वारा दि आन्ध्र साइंटिफिक कं० लि०,
कन्टोनमेंट रोड, पो० बा० नं० 26,
मसूलीपटम।
- (8) श्री एम० जी० भट्ट, सदस्य
आटोमेटिक इलेक्ट्रिक (प्रा०) लि०,
रेक्ट्रीफायर हाउस, 570, नैगम
क्रास रोड, पो० बा० नं० 7103,
बम्बई-31।
- (9) श्री एस० के० मुखर्जी, सदस्य
मे० इन्स्ट्रुमेंट रिसर्च लेबोरेटरी लि०,
22, प्रिन्स अनवर शाह रोड,
कलकत्ता-33।
- (10) श्री एम० पनिकर, सदस्य
मे० महिन्द्रा इंजी० कं० लि०,
5 हाइड रोड,
कलकत्ता-43।
- (11) डा० एन० ए० नरसिंहम, सदस्य
हेड, स्पेक्ट्रोस-कोपी डिवाजन,
एटामिक एनर्जी एस्टेब्लिशमेंट ट्राम्बे,
414 ए-कंडेल रोड,
बम्बई-28।
- (12) श्री के० एल० गद्रे, सदस्य
द्वारा एडेप्ट लेबोरेटरीज,
कर्बे रोड,
पूना-4।
- (13) श्री बी० कृष्णमूर्ति, सदस्य
विकास अधिकारी, सचिव
(इन्स्ट्रुमेंट्स निदेशालय),
तकनीकी विकास का महा-निदेशालय,
नई दिल्ली।

3. नामिका की अवधि आरम्भ में दो वर्षों की होगी।

आदेश

आदेश दिया गया कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए और सर्व साधारण की जानकारी के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

पी० एम० नायक, संयुक्त सचिव

स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1965

शुद्धि-पत्र

प०सं० 16-13/65-स्था०स्वा०शा०II—स्वास्थ्य मंत्रालय के संकल्प संख्या 16-13/65-स्था०स्वा०शा०II दिनांक 5 अगस्त, 1965 में नगर सामुदायिक विकास कार्यक्रम की समन्वय समिति की सदस्य-सूची की मद संख्या 10 के सम्मुख की गई वर्तमान प्रविष्टि के बदले निम्नलिखित प्रविष्टि रखें:—

“योजना आयोग के तीन प्रतिनिधि”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि स्वास्थ्य मंत्रालय के संकल्प सं० 16-13/65-स्था०स्वा०शा०II दिनांक 5 अगस्त, 1965 के क्रम में इस शुद्धिपत्र की प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ क्षेत्रों के स्था० स्वायत्त शासन विभागों के सचिवों, सभी मंत्रालयों, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी एवं सैनिक सचिव, मंत्री मण्डल सचिवालय, नियंत्रक तथा महालेखा निरीक्षक, योजना आयोग, संसद कार्य विभाग, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय को सूचनार्थ भेजी जाए।

ज्ञान प्रकाश, संयुक्त सचिव

खाद्य और कृषि मंत्रालय**(कृषि विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1965

सं० 7-16/65-एल० डी०—केन्द्रीय गोंसंवर्धन परिषद् के नियम तथा विनियमों के नियम V(2) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एस० जे० मजुमदार, संयुक्त सचिव, खाद्य और कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के स्थान पर श्री शाहनवाज खां, उप मंत्री, खाद्य और कृषि मंत्रालय, को परिषद् का उप प्रधान नामजद करती है।

के० सी० सरकार, अवर सचिव

भा० कृ० अ० प०**संस्था**

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1965

सं० 1-41/65-रीआर्ग० (सी०सी०)—यतः भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति, नयी दिल्ली, ने 12 अगस्त, 1965 को नई दिल्ली में हुई अपनी विशेष साधारण बैठक में निम्नलिखित संस्ताव पास किया है:—

“एतद् द्वारा प्रस्तावित किया जाता है कि समिति (भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति) को 1 अक्टूबर, 1965 से दिल्ली संघ क्षेत्र की सरकार की अनुमति ले कर विघटित किया जाए, और समिति की जायदाद, इसके दावों तथा देनदारियों के निपटान और बन्दोबस्त के लिए समस्त आवश्यक कदम उठाए जायें और इस समिति के ऋणों और देनदारियों के निपटान के उपरान्त यदि किसी प्रकार की कोई भी जायदाद बच जाए तो उसे, जैसा भारत सरकार ठीक समझे वैसा करने के लिए, भारत सरकार को सौंप दिया जाएगा।”

और यतः दिल्ली संघ क्षेत्र की सरकार ने उक्त समिति के विघटन की अनुमति दे दी है।

और यतः उपर्युक्त संस्ताव के अंतर्गत समिति की समस्त परिसम्पत्तियां और देनदारियां भारत सरकार को हस्तांतरित कर दी गई हैं।

एतद् द्वारा अब भारत सरकार उक्त समिति की समस्त परिसम्पत्तियों और देनदारियों को, जो कि अब केन्द्रीय सरकार के पास निहित हैं, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नयी दिल्ली को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव करती है।

आदेश

आदेश है कि इस संस्ताव की प्रति समस्त राज्य सरकारों, संघ क्षेत्रों के प्रशासनों और भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्री-मंडल के सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, प्रधान मंत्री के सचिवालय और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् को भेजी जाये।

2. यह भी आदेश है कि यह संस्ताव भारतीय राजपत्र में जनसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

सं० 1-41/65-रीआर्ग० (सी०सी०)—यतः भारतीय केन्द्रीय तम्बाकू समिति, मद्रास, ने 13 अगस्त, 1965 को नई दिल्ली में हुई अपनी विशेष साधारण बैठक में निम्नलिखित संस्ताव पास किया है:—

“एतद् द्वारा प्रस्तावित किया जाता है कि समिति (भारतीय केन्द्रीय तम्बाकू समिति) को 1 अक्टूबर, 1965 से दिल्ली संघ क्षेत्र की सरकार की अनुमति ले कर विघटित किया जाए, और समिति की जायदाद, इसके दावों तथा देनदारियों के निपटान और बन्दोबस्त के लिए समस्त आवश्यक कदम उठाए जाएं और इस समिति के ऋणों और देनदारियों के निपटान के उपरान्त यदि किसी प्रकार की कोई भी जायदाद बच जाए तो उसे जैसा भारत सरकार ठीक समझे वैसा करने के लिए, भारत सरकार को सौंप दिया जाएगा।”

और यतः दिल्ली संघ क्षेत्र की सरकार ने उक्त समिति के विघटन की अनुमति दे दी है।

और यतः उपर्युक्त संस्ताव के अंतर्गत समिति की समस्त परिसम्पत्तियां और देनदारियां भारत सरकार को हस्तांतरित कर दी गई हैं।

एतद् द्वारा अब भारत सरकार उक्त समिति की समस्त परिसम्पत्तियों और देनदारियों को, जो कि अब केन्द्रीय सरकार के पास निहित हैं, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव करती है।

आदेश

आदेश है कि इस संस्ताव की प्रति समस्त राज्य सरकारों, संघ क्षेत्रों के प्रशासनों और भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्री-मंडल के सचिवालय, प्रधान मंत्री के सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् को भेजी जाये।

2. यह भी आदेश है कि यह संस्ताव भारतीय राजपत्र में जनसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

बी० पी० पाल, अपर सचिव

शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1965

विषय:—राष्ट्रीय ग्राम उच्च शिक्षा परिषद्:

सं० एफ० 1-2/64-यू० 3—इस मंत्रालय की अधिसूचना सं० एफ० 1-2/64-यू० 3, दिनांक 30-1-1965 के अंतर्गत प्रकाशित राष्ट्रीय ग्राम उच्च शिक्षा परिषद् के गठन में निम्नांकित परिवर्तन अधिसूचित किए जाते हैं:—

2. वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित लिख दिया जाए:—

पैरा 2 (ख) : अन्य अधिकारी—विषय संख्या 8

8. श्री टी० आर० सतीश चन्द्रन,
उप-सचिव (प्रशिक्षण)

सामुदायिक विकास और सहकारी मंत्रालय,
नई दिल्ली।

पैरा 2 (ग) : निदेशक/ग्राम संस्थानों के प्रतिनिधि—**विषय संख्या 15**

15. प्रो० एम० मुजीब,
शेख-उल-जामिया, जामिया मिलिया इस्लामिया,
जामिया नगर,
नई दिल्ली-25।

विषय :—राष्ट्रीय ग्राम उच्च शिक्षा परिषद

सं० एफ० 1-2/64यू० 3—उपर्युक्त विषय पर इस मंत्रालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 29-6-1965/8 आषाढ़, 1887 के क्रम में यह अधिसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय ग्राम उच्च शिक्षा परिषद का कार्यकाल, 1 अक्टूबर, 1965 से छः महीने की ओर अवधि के लिए बढ़ाया जाता है।

जी० के० चन्दीरमानी, अवर-सचिव

(शुद्धि-पत्र)**पुरातत्व**

नयी दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1965

सं० एफ० 11-6/65 सी-I—इस मंत्रालय की अधिसूचना

सं० एफ० 11-6/65 सी-I—दिनांक 16 अगस्त, 1965 में:—

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 25th September 1965

No. 77-Pres./65.—The President is pleased to approve the award of the VIR CHAKRA for acts of gallantry in Jammu and Kashmir area to:—

Major MUKHTAR SINGH KHAIRA (IC-6859),
15 Bn., The Dogra Regiment.

(Effective date of award—13th December 1964)

Major Mukhtar Singh Khaira was in command of a reconnaissance patrol party on the cease-fire line in Jammu and Kashmir. At about 0350 hours on the night of the 13th/14th December 1964, after negotiating a cliff, the party reached the vicinity of a hill, where Pakistani patrols had been observed during the day time, and came upon a Light Machine Gun position. With complete disregard to his personal safety, Major Khaira, with one of his men crawled closer and threw two hand-grenades on to the Pakistani Light Machine Gun. Almost simultaneously the Machine Gun fired three long bursts towards the patrol party. Then the grenades exploded, and the Machine Gun stopped firing. Major Khaira and his companion, firing their sten guns, rushed forward looking for the Pakistani LMG. They heard the noise of movement and shouting from a bunker about twenty yards behind the LMG position from where 6 or 7 Pakistani soldiers opened sten gun and rifle fire. Undeterred by the numerical superiority of the enemy, Major Khaira and his men threw two more grenades and fired at the Pakistani troops. The patrol then captured the Pakistani LMG and withdrew.

Throughout the operation, Major Mukhtar Singh Khaira displayed courage and leadership in the best traditions of the Indian Army.

No. 78-Pres./65.—The President is pleased to approve the award of the ASHOKA CHAKRA, CLASS III, for gallantry to the undermentioned personnel:—

1. 140026 Havildar DAMAR BAHADUR LIMBU,
The Assam Rifles.

(Effective date of award—9th June 1964).

On 9th June 1964, one of our posts in Nagaland was attacked by about 200 hostiles supported by both light and heavy machine guns and mortar fire, as a result of which the whole Post was set on fire.

Havildar Damar Bahadur Limbu, who was commanding the eastern sector of the post which was exposed to hostile fire from close range, went through the bullet-swept area and encouraged his men to engage the attacking hostiles. During this defensive battle, three of his men were wounded. When the defence of the sector became extremely difficult, Havildar Limbu, disregarding his personal safety, crawled forward and shot the Commander of the hostiles. This stopped their further advance.

Subsequently, Havildar Limbu led a small group of men in the western sector, where the situation had worsened as a result of the hostiles having taken control of the helipad area. He personally led his men in a charge and cleared the area of the hostiles.

डा० एम० जी० दीक्षित (Dixit) शब्दों के लिये कृपया
डा० एम० जी० दीक्षित (Dikshit) पढ़िए।

गारदा गच (श्रीमती), सहायक शिक्षा सलाहकार

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1965

सं० एफ० 22-6/65 एच०-1—इस मंत्रालय के संकल्प सं० एफ० 19-19/60-एच०-1, दिनांक 21 दिसम्बर, 1960 के अन्तर्गत वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग की स्थापना की गई थी और सचिवालय गम्बन्धी सहायता उपलब्ध कराने के लिए इसे केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के साथ अब तक सम्बद्ध किया गया था। अब यह आयोग 1 अक्टूबर, 1965 से एक स्वतन्त्र संगठन के रूप में कार्य करेगा और इसका अपना एक अलग कार्यालय होगा। आयोग के अध्यक्ष विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

एन० एस० भटनागर, अवर सचिव

Havildar Damar Bahadur Limbu displayed exemplary courage and leadership in this encounter.

2. Captain MAHENDRA SINGH TANWAR
(IC-14771),
6 Bn., The Rajputana Rifles.

(Effective date of award—13th November 1964).

Captain Mahendra Singh Tanwar was Commander of a Company which was detailed to intercept certain Pakistan-bound hostiles in Manipur State.

On the 13th November 1964, his Company carried out a forced march through difficult and thickly wooded terrain and came close to the party of armed hostiles about midnight. Captain Tanwar made a quick appreciation of the situation and decided to lay an ambush. With complete disregard of his personal safety he moved from place to place supervising the siting of the ambush parties in an area covered with thick undergrowth and marshy patches, with chest-deep water in places. Captain Tanwar permitted the bulk of the hostiles to approach to within 30-40 yards before giving the order to fire. Heavy casualties were inflicted on the hostiles who fled in utter confusion. Captain Tanwar himself killed one of the hostiles at point blank range.

In this encounter, 12 hostiles were killed and 20 wounded. A Light Machine Gun and an appreciable quantity of ammunition and other equipment were also captured.

Throughout the operation, Captain Mahendra Singh Tanwar displayed courage, exemplary devotion to duty and leadership of a high order.

3. JC-1719 Subedar SHER SINGH RAM,
6 Bn., The Rajputana Rifles.

(Effective date of award—13th November 1964)

Subedar Sher Singh Ram was Second-in-Command of a Company which was detailed to intercept Pakistan-bound hostiles in Manipur State.

On 13th/14th November 1964, the Company, moving quickly through difficult and thickly wooded terrain, caught up with the armed hostiles and ambushed them. The right flank of the Company came under heavy light machine gun and mortar fire. When all the platoons were heavily engaged, Subedar Ram was ordered to attack and silence the hostile Light Machine Gun. It was a pitch-dark night; the whole area was under heavy fire; and the route leading to the site of the hostile LMG was through a marshy nullah with waist-deep water at places. Inspiring his handful of men Subedar Ram, in complete disregard of his personal safety, carried out an outflanking move and personally led his men to within 15 yards of the LMG. Subedar Ram then led his men in a charge and captured the Light Machine Gun, himself killing two hostiles who were manning it, with his sten gun.

In this operation Subedar Sher Singh Ram displayed courage, determination and devotion to duty of a high order.

The 6th October 1965

No. 79-Pres./65.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Mahesh Singh,
Constable No. 711,
'B' Company, 2nd Battalion,
Special Armed Force, Gwalior,
Madhya Pradesh.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 3rd December 1964, information was received that the gang of dacoit Chhote Singh would visit village Kondhi-ki-Madiya the same night. A Police party under Company Commander Ram Nivas Dube was sent to intercept the gang. The force was divided into two groups and an ambush laid to cover three likely paths. At about 2230 hours, eight dacoits came towards the point guarded by Constable Mahesh Singh and the Company Commander. When the dacoits came close, Constable Mahesh Singh challenged them, whereupon the dacoits opened fire. Constable Mahesh Singh returned the fire and shouted to the police light machine gunner to fire at the dacoits. Due, however, to some sudden defect, the LMG could not fire. Taking advantage of this, the dacoits made a concerted attempt to break out. Constable Mahesh Singh was faced with the task of protecting the L.M. Gunner and his weapon and at the same time preventing the dacoits from escaping. At this critical moment, Constable Mahesh Singh left his cover and shouted to the other members of the police party to charge the dacoits. This bold action unnerved the dacoits who tried to make good their escape. Constable Mahesh Singh chased one of the dacoits and shot him dead. While he was turning round to deal with another, he was shot dead by a dacoit who was hiding at a distance.

In this encounter, Constable Mahesh Singh exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty of the highest order in the performance of which he laid down his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd December 1964.

No. 80-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Rajendra Singh,
Head Constable,
Civil Police, Agra District,
Uttar Pradesh.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the morning of the 14th September 1964, Sub-Inspector Pyare Lal Sharma of Malpura P.S. received information about the presence of a gang of notorious dacoit Girraj in a sugar-cane field. Shri Sharma collected the available force and rushed to the spot, along with Head Constable Rajendra Singh, 3 gun licencees and 4 other villagers. On reaching the canal bridge the Police party was divided into two. One party under Head Constable Rajendra Singh was deputed to surround and ambush the gang on the west of the field while the other party under Sub-Inspector went to the other side of the field. On being challenged by the police party, the dacoits rushed inside the sugar-cane field and opened fire at the police. The police returned the fire. The small police party had to spread itself over a large area, as a result of which the dacoits managed to slip through the cordon. On seeing the dacoit leader Girraj escaping, Head Constable Rajendra Singh fired at him with his .12 bore gun, but, unfortunately, both the cartridges misfired. Undeterred Shri Rajendra Singh boldly tried to club the dacoit with his gun. In the scuffle, the butt of the gun broke and the barrels fell off. Head Constable Rajendra Singh was then overpowered by the dacoits and severely beaten until he fell unconscious. Though rushed to the S. N. Hospital he succumbed to his injuries.

Head Constable Rajendra Singh showed great courage and devotion to duty of a very high order in the performance of which he laid down his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th September 1964.

No. 81-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names of the officers and ranks

Shri Shrikrishna Yadav,
Sub-Inspector of Police,
Agra District,
Uttar Pradesh.
Shri Ramesh Pal Singh,
Sub-Inspector of Police,
Agra District,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 13th May 1964, Shri Shrikrishna Yadav, received information that the gang of notorious dacoit Phool Sahai had crossed the Chambal at Khipona Ghat. Shri Yadav immediately alerted all Station Officers of the adjoining areas of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh and proceeded towards Hatkant Ghat along with Shri Ramesh Pal Singh and 11 Constables. At about 0300 hours further information was received that the gang was to commit dacoity in village Pura Qari. About this time the Circle Officer, Bah, arrived at Hatkant Ghat with a police party. The combined forces were divided into two parties—one party under Shri Yadav and Shri Singh made for village Pura Qari through the Barakhar ravines while the other party left for the same village by another route.

At about 0400 hours, when the police party under Shri Yadav and Shri Singh were in deep ravines, a low voice was heard alerting the gangsters. Shri Yadav and Shri Singh signalled to the police party and cautiously advanced further. Soon after the dacoits started firing at the police. The police party returned the fire. Despite the firing from both sides Shri Yadav and Shri Singh crawled towards the dacoits' position. The police fired Very Lights which showed that some dacoits were trying to get away. Shri Yadav and Shri Singh pursued the dacoits though themselves exposed to great danger. Both fired at the retreating dacoits from close range and killed dacoit Phool Sahai and one of his associates. The other dacoits managed to escape in the darkness. After the encounter, a boy who had been kidnapped by the dacoits was rescued and the police recovered two guns and a large number of cartridges.

In this encounter Shri Shrikrishna Yadav and Shri Ramesh Pal Singh exhibited outstanding gallantry, courage and devotion to duty of a high order in utter disregard for their personal safety.

2. These awards are made under rule 4(i) of the Rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th May 1964.

No. 82-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Sohan Singh,
Constable No. 196,
Bhind District,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the morning of the 13th March 1965, information was received by the Station Officer, Lahar, Bhind District, that the gang of dacoit Chhote Kachhl was present in a house in village Katghara. The Station Officer immediately took the available force to the village and surrounded it. As the police party was entering the village, the dacoit noticed the police and after firing a shot at them jumped over the compound wall of the house and took refuge in another house. The Station Officer quickly deployed his force to guard all the exits of the house. A Head Constable and two Constables were detailed to enter the house. No sooner had they done so, when the dacoit, who was hiding behind a big mud pot, fired at and fell on the Head Constable with a view to snatching his T.M.C. The dacoit managed to get his finger on the trigger of the TMC and fired a shot. While the Head Constable and the dacoit were struggling for the TMC, the two Constables ran out of the room calling for help. At this juncture, Constable Sohan Singh who was guarding the door, rushed inside the room and dealt the dacoit a severe blow on the back of his head. The dacoit then released the TMC and attacked Constable Sohan Singh. A tough hand-to-hand fight ensued. When constable Sohan Singh was about to overpower the outlaw, the latter, who had a .12 bore pistol on him, pressed the pistol into Constable Sohan Singh's body and pulled the trigger. The bullet pierced Constable Sohan Singh's hip causing a deep wound. Undeterred by this severe injury, Constable Sohan Singh succeeded in capturing the dacoit with the help of Head Constable Awadh Behari Pande who had fired a shot at the dacoit. The dacoit succumbed to his injuries soon after.

In this encounter, Constable Sohan Singh exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 13th March 1965.

No. 83-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of Madhya Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Fatiah,
Constable No. 636,
1st Battalion,
Special Armed Force, Indore,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 10th August 1964, the Station Officer, Ater, Bhind District, received reliable information that the notorious dacoit Girdawalia, was in hiding somewhere between the villages of Chhriyapura and Kare-ka-Pure. The Station Officer immediately collected all the police available at Ater and rushed to the area. He divided this force into three parties. Two were detailed to lay ambushes near villages Surpura and Chhriyapura. The third party was sent to comb the area between village Kare-ka-Pura and those villages with a view to forcing the gang towards the ambush parties. Constable Fatiah who was in the search party, noticed some persons sitting unobtrusively. He cautiously advanced to within three yards from the suspects and challenged them. Thereupon dacoit Girdawalia took up his .303 rifle and fired three shots at Constable Fatiah. Constable Fatiah fired back and wounded Girdawalia who retreated but continued to fire at the police party. Constable Fatiah jumped out of his cover and pursued the dacoits. The gang took cover behind a field boundary and a fierce encounter ensued. Despite the fact that he was in the open at a distance of only 25 yards from the dacoits, Constable Fatiah continued firing at the dacoits and forced them out of their vantage position. Shri Fatiah then made a charge along with his supporting police party and shot dacoit Girdawalia and one of his associates dead. A third dacoit was also shot down in this encounter.

Constable Fatiah displayed outstanding courage, conspicuous gallantry and devotion to duty of a very high order in this encounter with a dangerous gang of dacoits.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th August 1964.

No. 84-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Andhra Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Doraswamy Munuswamy,
Police Constable No. 450,
Railway Police District, Vijayawada,
Andhra Pradesh. (Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 9th March 1964, at about midnight an insane person ran amuck at the Renigunta Railway Station and attacked a Ticket Collector with a 6" knife. The knife fortunately struck the book in the hand of the Ticket Collector. The madman then attacked a Railway Police Constable who was on duty at the passengers entrance. Constable Munuswamy who had just been relieved from guard duty at the Railway Station rushed to the spot on hearing the commotion and saw the man raise his knife to stab the Constable. Without regard for his own safety, Constable Munuswamy sprang on him and grappled with him in attempt to wrench the knife out of his hand. The madman, however, stabbed Constable Munuswamy in the chest and he succumbed to the injury soon after.

Police Constable Munuswamy showed great courage in trying to apprehend an armed lunatic and sacrificed his life in saving the life of his comrade.

2. This award is made under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 9th March 1964.

No. 85-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Andhra Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Mikkilineni Gopala Rao,
Sub-Inspector of Police,
Guntur District,
Andhra Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 17th November 1964, a rowdy who had been convicted and fined for assaulting a Tehsildar, forced his way into the chamber of the Judicial Magistrate, Tenali. He wiped out a dagger with a view to attacking the Magistrate. On seeing this, the court peon and other persons present rushed out of the chamber shouting for help. On hearing the alarm, the Warder of the Sub-Jail went into the chamber, but the assailant kicked him and he fell down. The rowdy was then about to stab the Magistrate when Sub-Inspector Shri Mikkilineni Gopala Rao rushed into the chamber. Though unarmed, he tackled him and threw him to the ground and after a struggle succeeded in disarming him.

Sub-Inspector Mikkilineni Gopala Rao exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty in tackling the armed assailant and saved the life of the Magistrate at great risk to himself.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 17th November 1964.

No. 86-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madras Police :—

Name of the officer and rank

Shri Munuswamy Pillai George,
Head Constable No. 241,
Armed Reserve, Salem District,
Madras.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 10th February 1965, about 500 students took out a procession at Komarapalayam in defiance of an order prohibiting them from doing so. The procession was joined by a large crowd and proceeded towards the Cauvery bridge damaging the local post office on the way. A small police party which included Head Constable George, followed the procession. At the Cauvery bridge there was already a huge crowd on which a lathi charge had been made in an attempt to disperse it. The small police party was mobbed on all sides and scattered. A group of agitators dragged one Constable to a nearby firewood depot with a view to burning him alive. Head Constable George rushed into the depot and, at great personal risk, rescued the Constable.

In the afternoon, a section of the crowd twice attacked the Police Station and attempted to set fire to it. They smashed cycles and threw fire-balls and sticks of dynamite. Head Constable George rallied the depleted police force and held the station until reinforcements arrived.

Shri Munuswamy Pillai George showed leadership, courage and devotion to duty in an extremely dangerous situation.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th February 1965.

No. 87-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madras Police :—

Name of the officer and rank

Shri Dharmalinga Thevar Chinthamathar,
Head Constable No. 460,
Tirunelveli District,
Madras.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 6th March 1964, at about 1040 hours, there was a fight between two local factions at Tuticorin, in which brick-bats and other missiles were freely used by both parties. When the fighting took a menacing turn, a man from the crowd ran to the nearby Police Station and informed Head Constable Dharmalinga Thevar Chinthamathar about the fight. Head Constable Chinthamathar, who was in mufti, immediately rushed to the spot and asked the parties to desist from fighting. While trying to persuade the parties not to fight, Shri Chinthamathar noticed that a man with an aruval was about to attack on one of his opponents. With out regard for his own safety, the Head Constable interposed himself between the two. The blow from the aruval fell on his left forearm and almost severed it.

Head Constable Dharmalinga Thevar Chinthamathar exhibited conspicuous courage and devotion to duty by intervening to save the life of a man as a result of which he lost the use of his left arm.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th March 1964.

V. J. MOORE, Dy. Secy.

PLANNING COMMISSION (Committee on Plan Projects)

RESOLUTION

New Delhi-1, the 1st October 1965

Study Team on Metropolitan Transport

No. COPP/Adm/14(1)/65.—Problems of metropolitan transport have grown rapidly in recent years and have become increasingly complex and urgent, specially in the cities of Calcutta, Bombay, Madras and Delhi. The requirements of mass transportation in a large city are bound up, to a considerable extent, with the shape and direction of the future plan of urban development and location of industrial and other activities. It is necessary, therefore, to take a long-term view of the transportation requirements for cities such as Bombay, Calcutta, Madras and Delhi. Problems of metropolitan transportation have already received intensive

study in recent years in foreign countries and experience abroad can also be usefully drawn upon. Accordingly the Committee on Plan Projects, Planning Commission, have set up with effect from the 23rd September 1965, a Study Team on Metropolitan Transport. The Study Team will commence its work with the study of problems of metropolitan transport in Calcutta, to be followed by similar studies for other cities.

2. The composition of the Study Team is as follows :

Leader

1. Shri P. H. Sarma,
former General Manager,
Northern Railway and
Member, Railway Rates Tribunal.

Members

2. Shri A. V. da Costa,
Retired Chief Engineer,
Central Railway.
3. Shri Govardhan Lal,
Additional Consulting Engineer,
Ministry of Transport.
4. Shri K. K. Nambiar,
Associated Cement Companies.
5. Shri K. A. Khan,
General Manager,
India Tourism Corporation,
Ministry of Transport.
6. Shri K. L. Luthra,
Director,
Transport Division,
Planning Commission.
7. Dr. V. G. Bhatia,
Director,
Transport Research,
Ministry of Transport.
8. Shri B. G. Fernandes,
Town and Country Planner,
Town and Country Planning Organisation,
Ministry of Health.

Shri S. B. Saharya from the Planning Commission will be Secretary of the Study Team.

3. The terms of reference of the Team will be as follows :

- (1) to assess the adequacy and limitation/deficiency of existing transport facilities in relation to present needs in the cities of Calcutta, Bombay, Madras and Delhi, including roads, road transport and rail transport;
- (2) to determine the long-term requirements of passenger and goods transport in these cities, having due regard to the overall plans of metropolitan development and location of industrial, commercial and other activities;
- (3) to study the feasibility of various proposals for meeting requirements for different media of transport and to recommend phased programmes for the development of the facilities needed, including estimates of costs and returns, methods of financing and scheme of execution;
- (4) to propose appropriate administrative and other arrangements for the operation of metropolitan transport services; and
- (5) to make such other recommendations as may be necessary.

4. The Headquarters of the Study Team will be at New Delhi though the Headquarters of a Member and his staff may be fixed at a different place at the discretion of the Committee on Plan Projects.

ORDER

ORDERED that the Resolution may be published in the Gazette of India for general information.

J. M. KITCHLU, Secy.
Committee on Plan Projects.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-11, the 1st October 1965

No. 8/27/65-CS(II) G.S.R.—The Government of India in the Ministry of Home Affairs hereby makes the following amendment in its Notification No. 7/7/64-CS(A), dated the 20th February 1965, published in Part I, Section I of the Gazette of India dated the 20th February 1965, namely—In the said notification, for rule 18, the following rule shall be substituted, namely :—

"18. All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical type-writing tests in English or Hindi held by the

Union Public Service Commission, he shall pass such a test at a minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute within a period of one year from the date of appointment, failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test.

If any candidate does not pass the said type-writing test within the period of probation, his services shall be liable to be terminated.

NOTE :—A candidate appointed on the results of the examination, who has already passed the Union Public Service Commission's type-writing test or who passes it within a period of 6 months from the date of his appointment will be granted the first increment after 6 months instead of after one year's service. This will, however, be absorbed in the subsequent regular increments."

K. THYAGARAJAN, Under Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

RESOLUTION

New Delhi, the 27th September 1965

No. F. 8(19)-NS/65.—The National Savings Central Advisory Board as constituted in the Government of India, Resolution No. F. 8(7)-NS/64, dated the 22nd September 1964, has been reconstituted for a further period of two years, with effect from the 1st September 1965, with the following members :—

Chairman

1. Shri B. R. Bhagat,
The Minister of Planning and Minister in
the Ministry of Finance.

Members

1. Shrimati Sucheta Kriplani,
Chief Minister and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Uttar Pradesh, Lucknow.
2. Shri Ram Kishen,
Chief Minister and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Punjab, Chandigarh.
3. Shri B. K. Kaul,
Finance Minister and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Rajasthan, Jaipur.
4. Shri D. P. Mishra,
Chief Minister and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Madhya Pradesh, Bhopal.
5. Shri M. Bhakatavatsalam,
Chief Minister and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Madras, Madras.
6. Shri Homi J. H. Taleyarkhan,
Minister for Civil Supplies,
Housing, Fisheries, Printing Presses,
Small Savings & Tourism and Chairman,
National Savings State Advisory Board,
Maharashtra, Bombay.
7. Shri M. N. Laxminarsiah,
Minister for Panchayat Raj and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Andhra Pradesh, Hyderabad.
8. Shri Ramakrishna Hegde,
Minister for Finance and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Mysore, Bangalore.
9. Shri Nilamani Routray,
Minister for Political Services and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Orissa, Bhubaneswar.
10. Shrimati Purabi Mukhopadhyay,
Minister-in-Charge, Finance (Small Savings) and
Home (Jails and Social Welfare), Chairman
National Savings State Advisory Board,
West Bengal, Calcutta.
11. Shri G. L. Dogra,
Finance Minister and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Jammu & Kashmir, Srinagar.
12. Shri Ambika Sharan Singh,
Minister of State, Finance and Chairman
National Savings State Advisory Board,
Bihar, Patna.
13. Shri R. G. Baruah,
Chairman National Savings State Advisory Board,
The Assam Tribune, Gauhati, Assam.

14. Shri N. K. S. Raghavachari,
Adviser to Governor & Chairman
National Savings State Advisory Board,
Kerala, Trivandrum.
15. Her Highness the Maharani of Patiala, M.P.,
Moti Bagh, Patiala.
16. Smt. Sharda Mukherjee, M.P.,
8A, Mafatlal Park, Bhulabhai Desai Road,
Bombay-26.
17. Shrimati Ramdulari Sinha, M.P.,
10, Meena Bagh, New Delhi.
18. Kumari A. M. Nadkarni,
Sital Mahal, Sital Baug,
Walkeshwar Road, Bombay-6.
19. Begum Ali Zaheer,
"ALLEYA",
9, Clyde Road, Lucknow.
20. Shrimati Indira Ramadurai,
14/1, IV Street, Abhiramapuram,
Madras.
21. Dr. Vijayalakshmi,
121 B, Santhome High Road,
Madras-1.
22. Begum Mafida Ahmed,
Jorhat (Assam).
23. Shri N. P. Damodaran,
P.O. Nattur, Tellicherry (Kerala).
24. Shri A. N. Burch,
Textile Labour Association, Bhadra, Ahmedabad-1.
25. Shri B. D. Pande,
Chairman,
Savings Mobilisation Board, New Delhi.
26. Shri M. L. Khaitan,
30, Theatre Road, Calcutta.
27. Dr. A. K. Das Gupta,
School of International Studies, Delhi.
28. The Secretary to the Govt. of India,
Ministry of Information & Broadcasting,
New Delhi.
29. Secretary to the Govt. of India,
Ministry of Community Development and
Co-operation (Department of Community
Development),
New Delhi.
30. The Director General,
Posts & Telegraphs, New Delhi.
31. The National Savings Commissioner,
Post Box No. 96, Nagpur.

2. Shri K. B. Mandlekar, Secretary, Savings Mobilisation Board will function as Secretary to the National Savings Central Advisory Board also.

3. The Board will continue to discharge the following functions :—

- (i) to co-ordinate and guide the activities of the State Advisory Boards;
- (ii) to assist and advise Government on measures necessary to spread the National Savings movement in the country and on the way and means of popularising the Small Savings Scheme; and
- (iii) to advise the Government on specific organisational and publicity matters relating to National Savings movement.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. Finance Secretaries of all State Govts.
2. All Accountants General.
3. Chairman & all Members of the Board.
4. Department of Parliamentary Affairs.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. R. SHIRALI, Jt. Secy.

New Delhi, the 30th September 1965

No. F.8(19)/65.—Shrimati Leeladevi R. Prasad, C-30, Nehru Nagar, Bangalore-20 is appointed member of the reconstituted National Savings Central Advisory Board as announced in the Government of India (Ministry of Finance) Resolution No. F. 8(19)-NS/65 dated the 27th September, 1965.

V. S. RAJAGOPALAN, Under Secy.

L/M281GI/65

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 10th September 1965

No. 12/2/65-E.Pty.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of Rule 133-V of the Defence of India Rules, 1962, the Central Government hereby orders that all immoveable property in India, belonging to or held by or managed on behalf of all Pakistan nationals, shall vest in the Custodian of Enemy Property for India with immediate effect.

2. Nothing in this notification shall apply to any such property, belonging to or held by or managed on behalf of such of the Pakistan nationals as are employed in the different Missions of the Government of Pakistan in India.

ORDER No. 1/65

No. 15/4/61/15.1.—In exercise of the powers conferred by Rule 131-A of the Defence of India Rules, 1962, the Central Government hereby prohibits the import and export of all goods, whether directly or indirectly, into or from any port or place in India, from or to any port or place in Pakistan.

The 11th September 1965

No. 12/2/65-E.Pty.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of Rule 133-V of the Defence of India Rules, 1962, the Central Government hereby orders that the properties in India, detailed in the Schedule annexed hereto, belonging to or held by or managed on behalf of all Pakistan nationals, shall vest in the Custodian of Enemy Property for India with immediate effect.

2. Nothing in this Notification shall apply to any property in India belonging to or held by or managed on behalf of such of the Pakistan nationals as are employed in the different Missions of the Government of Pakistan in India.

THE SCHEDULE

1. All lockers and safe deposits in the Vaults of :—

- (a) Commercial Banks;
- (b) Exchange Banks;
- (c) Any body or person doing banking business; and
- (d) Any other body or person renting out lockers.

2. All negotiable instruments such as promissory notes, shares, debentures and other Government securities.

3. All vessels and vehicles, including automobiles and aircraft.

The 30th September 1965

No. 12/9/65-E.Pty.—In exercise of the powers conferred by rule 133K of the Defence of India Rules, 1962, the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 12/2/65-E.Pty. dated the 13th September 1965, appointing Shri B. K. Ghosh, an officer of the State Bank of India, as Deputy Controller of Enemy Firms, Calcutta, namely :—

In the said notification, for paragraph 2. the following paragraph shall be substituted, namely :—

"2. Shri Ghosh will be in charge of the following enemy firms, namely :—

- (1) The National Bank of Pakistan, Calcutta.
- (2) The Faridpur Banking Corporation Limited, Calcutta."

B. D. JAYAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

New Delhi, the 1st October 1965

No. 10/3/63-ONG.—The following alterations in the composition of the Co-ordinating Committee reconstituted under this Ministry's Resolution No. 10/3/63-ONG dated the 26th May 1965, as amended by this Ministry's Notification No. 10/3/63-ONG, dated the 16th July 1965, are hereby made :—

For The Deputy Chief Operating Superintendent (Planning) Western Railway. Member

Substitute The Divisional Superintendent, Western Railway, Baroda. Member

C. P. JACOB, Under Secy.

Department of Chemical

New Delhi, the 1st October 1965

No. CH/COORD/4/65.—The Government of India have decided to constitute a Committee to be called the Central Advisory Committee for Chemicals to advise Government on

problems of common interest concerning chemical and fertiliser industries. It will consist of the following members :—

1. Minister (Petroleum & Chemicals) *Chairman*
2. Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals. *(Vice-Chairman)*
3. Shri K. P. Tripathi,
Minister of Industry,
Government of Assam, SHILLONG.
4. Dr. S. D. Sharma,
Minister of Industry,
Government of Madhya Pradesh,
BHOPAL.
5. Dr. G. S. Melkote,
Member of Parliament,
18, Janapath, NEW DELHI.
6. Shri Santokh Singh,
Member of Parliament,
154/48, Chanakya Puri, NEW DELHI.
7. Shri M. K. Sherwani,
Member of Parliament,
11, Sunder Nagar, NEW DELHI.
8. Shri K. C. Pant,
Member of Parliament,
C1/35 Pandara Road, NEW DELHI.
9. Shri P. D. Himatsingka,
Member of Parliament,
68, South Avenue, NEW DELHI.
10. Dr. N. R. Nanji,
Meher House,
15, Cowasji Patel Street, Fort, BOMBAY-1.
11. Shri C. P. Zaveri,
President, The Pharmaceutical & Allied Manufacturers
& Distributors Association Limited,
C/o. Bombay Chambers of Commerce and Industry,
Mackinnon Mackenzie Building, Ballard Estate,
BOMBAY-1.
12. Shri Charat Ram,
Delhi Cloth & General Mills Co. Ltd.,
Bara Hindu Rao, DELHI-6.
13. Shri C. L. Gupta,
C/o Indian Plastics Federation,
Raghuvanshi Building,
3rd Floor, Room No. 57,
134/1, Mahatma Gandhi Road, CALCUTTA-7.
14. Dr. J. S. Badami,
President, The Indian Soap & Toiletries Makers'
Association, P-11, Mission Road Extension,
CALCUTTA-1.
15. Lala Bansi Dhar,
President,
All India Distillers' Association,
H-37, Connaught Circus, NEW DELHI-1.
16. Shri Prem Chand Jain,
Dharangadhra Chemical Works Ltd.,
15A, Horniman Circle,
Fort, BOMBAY-1.
17. Shri R. B. Amin,
Chairman,
Alembic Chemical Works Co. Ltd.,
BARODA.
18. Shri K. K. Birla,
India Exchange Place,
CALCUTTA.
19. Shri L. Sawhny,
Tata Chemicals,
Bombay House, Bruce Street,
Fort, BOMBAY-1.
20. Shri H. K. S. Lindsay,
President, Associated Chambers of Commerce &
Industry of India,
Royal Exchange,
6, Netaji Subhas Road, CALCUTTA.
21. Shri B. C. Mukharji,
Chairman & Managing Director,
Fertiliser Corporation of India Ltd.,
F-43, New Delhi South Extension, Part. I,
NEW DELHI-3.
22. Shri T. S. Narayanaswamy,
Chemicals & Plastics India Ltd.,
Dhruv Building,
175/1, Mount Road, MADRAS-2.
23. Dr. A. Ramaswami Mudaliar,
India Steamship House,
21, Old Court House Street, CALCUTTA-1.
24. Shri Arvind Mafatlal,
Mafatlal House,
Back Bay Reclamation,
BOMBAY-1.

25. Shri J. K. John,
Parry & Co. Ltd.,
Post Box No. 12, MADRAS-1.
26. Shri A. Husain,
113E, Ripon Street,
CALCUTTA-16.
27. Shri A. Kadir Kutty,
Industrialist,
Tellicherry (KERALA).
28. Shri Kalyan Sen,
M/s. Allied Resins & Chemicals (P) Ltd.,
10-1, Elgin Road,
CALCUTTA-20.

2. The functions of the Advisory Committee for Chemicals will be as follows :—

- (i) to advise Government on matters of common interest concerning chemical industries with particular reference to planning for the development and utilisation of chemicals and conservation of natural resources having a bearing on chemical industries;
- (ii) to study and advise on the pattern of demand, supply and distribution of chemicals in general;
- (iii) to study the problems facing different sectors of the chemical industry and to suggest solutions for them;
- (iv) to advise on the future establishment and location of chemical industries in general;
- (v) to suggest measures for increasing productivity in chemical industries;
- (vi) to consider and advise on measures for holding the price line in chemical industries; and
- (vii) any other matter specifically referred to it.

3. The Committee will consist of 30 members including the Chairman and Vice-Chairman.

4. The Chairman may specially invite any person other than a member to attend a meeting of the Committee.

5. The Committee will normally meet twice a year. The Chairman shall have the power to call a special session, if considered necessary. The term of appointment of the Members will be for two years.

6. Secretarial assistance will be provided by the Department of Chemicals.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all the Ministries of the Government of India, all the State Governments, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Parliament Secretariat, Private and Military Secretaries to the President, the Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the Accountant General, Central Revenues, Accountant General, Commerce, Works & Miscellaneous.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

NAKUL SEN, Secy.

MINISTRY OF HEALTH

New Delhi, the 4th October 1965

No. F. 15-11(WS)/64-PH(LSG-III).—The Seminar on Financing and Management of Water and Sewerage Works convened by the Union Ministry of Health, in April 1964, had recommended *inter-alia* that the Government of India should appoint a high level committee to draft a model enactment for setting up Statutory Water and Drainage Boards, defining their powers and duties and recommending appropriate methods of fund raising. In pursuance of this recommendation and taking note of the fact that the formation of Statutory Water and Drainage Boards in each State would be the most effective way of ensuring sound financing, careful planning and efficient management of the urban water supply and sewerage facilities, it has been decided to set up a committee to prepare a draft model enactment which should serve as a guide to the State Governments. The committee shall consist of :—

Chairman

1. Prof. M. S. Thacker, Member (NR), Planning Commission, New Delhi.

Vice-Chairman

2. Shri P. S. Naskar, Deputy Minister for Health, Patiala House, New Delhi.

Members

3. Shri N. V. Modak, Consulting Public Health Engineer, Udyam Shivaji Park, Bombay-28.
4. Shri P. C. Bose, Executive Director and Chief Engineer, Calcutta Metropolitan Planning Organisation-11, Rabindra Sarani, Calcutta-1.

5. Shri K. Narayanaswamy, Chairman, Bangalore Water Supply & Sewerage Board, M.G.I.D. Building (Annexe), Bangalore-1.
6. Shri D. J. Madan, Joint Secretary, (W&H), Ministry of Finance, North Block, New Delhi.
7. Shri Gian Prakash, Joint Secretary, (L), Ministry of Health, Patiala House, New Delhi.
8. The Commissioner, Municipal Corporation of Delhi, Town Hall, Delhi-6.

Member Secretary

9. Shri S. Rajagopalan, Deputy Director General of Health Services (PHE), Patiala House, New Delhi.
2. The term of reference to the Committee shall be to draft a model enactment to serve as a guide to the State Governments for setting up Statutory Water and Drainage Boards. The draft enactment should define *inter-alia*:
 - (i) the composition, powers, functions and responsibilities of the Boards to ensure businesslike methods of financing management and operation, of the twin facilities;
 - (ii) the fund-raising measures and borrowing and repayment obligations of the Boards;
 - (iii) the role of local bodies and State Governments *vis-a-vis* the Statutory Boards; and
 - (iv) any other factors relating to the subject.
3. The headquarters of the Committee will be in New Delhi.
4. The Committee will hold its meetings as and when necessary and may invite to its meetings such other officers as may be considered necessary.
5. The Committee will submit its report by the 31st January 1966.

K. N. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th October 1965

No. F. 16-13/65-LSG II.—In the Ministry of Health Resolution No. 16-13/65-LSG II dated the 5th August 1965, for the existing entry against item No. 10 of the list of members of the Coordination Committee on the Urban Community Development Programme, the following may be substituted :—

“Three representatives of the Planning Commission.”

ORDER

ORDERED that in continuation of the Ministry of Health Resolution No. 16-13/65-LSG II, dated 5-8-1965, this corrigendum be communicated to the Secretaries, L. S. G. Departments, All State Governments/Union Territories, All Ministries, P.M.'s Sectt., the Private and Military Secretary to the President, Cabinet Sectt., Comptroller and Auditor General, Planning Commission, Department of Parliamentary Affairs, Dte. G.H.S. for information.

GIAN PRAKASH, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 6th October 1965

No. 7-16/65-LD.—In terms of Rule V(2) of the Rules and Regulations of the Central Council of Gosamvardhana, the Government of India are pleased to nominate Shri Shah Nawaz Khan, Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture as Vice-President of the Council *vice* Shri S. J. Majumdar, Joint Secretary in the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture).

K. C. SARKAR, Under Secy.

(I.C.A.R.)

New Delhi-1, the 1st October 1965

RESOLUTION

No. 1-41/65-Reorgn(CC).—WHEREAS the Indian Central Sugarcane Committee, New Delhi, has passed the following Resolution at its Special General Meeting held in New Delhi on the 12th August 1965 :—

“It is hereby resolved that subject to the consent of the Government of the Union Territory of Delhi being obtained, the Society (Indian Central Sugarcane Committee) be dissolved as from the 1st October 1965, and all necessary steps be taken for the disposal and settlement of the property of the Society, its claims and liabilities and if there shall remain, after the satisfaction of all its debts and liabilities any property whatsoever the same shall be handed over to the Government of India for being dealt with as the Government of India may think fit”.

AND WHEREAS the Government of the Union Territory of Delhi have given their consent to the dissolution of the said Committee;

AND WHEREAS by virtue of the above Resolution, all assets and liabilities of the said Committee have been transferred to the Government of India;

Now the Government of India hereby resolve to transfer all the assets and liabilities of the said Committee, which

now vest in the Central Government, to the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat and the Council of Scientific and Industrial Research.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

No. 1-41/65-Reorgn.(CC).—WHEREAS the Indian Central Tobacco Committee, Madras, has passed the following Resolution at its Special General Meeting held in New Delhi on the 13th August 1965 :—

“It is hereby resolved that subject to the consent of the Government of the Union Territory of Delhi being obtained, the Society (Indian Central Tobacco Committee) be dissolved as from the 1st October 1965, and all necessary steps be taken for the disposal and settlement of the property of the Society, its claims and liabilities and if there shall remain, after the satisfaction of all its debts and liabilities any property whatsoever the same shall be handed over to the Government of India for being dealt with as the Government of India may think fit”.

AND WHEREAS the Government of the Union Territory of Delhi have given their consent to the dissolution of the said Committee;

AND WHEREAS by virtue of the above Resolution, all assets and liabilities of the said Committee have been transferred to the Government of India;

Now the Government of India hereby resolve to transfer all the assets and liabilities of the said Committee, which now vest in the Central Government, to the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of the Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat and the Council of Scientific and Industrial Research.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. P. PAL, Addl. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi-1, the 30th September 1965

SUBJECT : *National Council for Rural Higher Education.*

No. F. 1-2/64-U3.—The following changes are hereby notified in the composition of the National Council for Rural Higher Education, as published in this Ministry's notification No. F. 1-2/64-U3, dated 30th January 1965.

2. For the existing entries substitute the following :

Para 2(b) : Other Officials—item No. 8

8. Shri T. R. Satish Chandran,
Deputy Secretary (Training),
Ministry of Community Development and
Cooperation, New Delhi.

Para 2(c) : Directors/Representatives of Rural Institutes—item No. 15

15. Prof. M. Mujeeb,
Sheikh-ul-Islamia,
Jamia Millia Islamia,
Jamianagar, New Delhi-25.

SUBJECT : *National Council for Rural Higher Education.*

No. F. 1-2/64-U3.—In continuation of this Ministry notification of even number, dated 29th June, 1965/8th Asadha, 1887 Saka, on the subject mentioned above, it is hereby notified that the life of the National Council for Rural Higher Education is further extended for a period of six months, with effect from 1st October 1965.

G. K. CHANDIRAMANI, Addl. Secy.

New Delhi, the 1st October 1965

RESOLUTION

No. F. 1-2/65-P.E.2.—In continuation of the Ministry of Education Notification No. F. 1-2/65-P.E.2, dated the 12th July 1965, the following amendment is hereby made to the Resolution on the subject of establishment of the All India Council of Sports, contained in the Ministry of Education Notification No. 11-16/58-P.E.2, dated the 2nd March 1959 as amended from time to time :—

The following shall be substituted for sub-clause (1) of clause 3 of the said Resolution :—

“3(1) The Council shall consist of 19 members nominated by the Government of India, one of whom shall act as its Member-Secretary. At least one of the nominated members shall be a woman. In addition, two persons with

distinction in the field of sports may be coopted by the Council. The persons nominated/coopted will not hold any office in any sports organization except the State Sports Councils”.

2. ORDERED that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

B. P. BAGCHI, Jt. Secy.

New Delhi, the 1st October 1965

No. F. 22-6/65-H.1.—The Commission for Scientific and Technical Terminology which was set up under this Ministry's Resolution No. F. 19-19/60-H.1 dated the 21st December 1960, and which was hitherto attached to the Central Hindi Directorate for providing secretariat assistance, shall with effect from the 1st October 1965, function as an independent organisation with a separate office of its own. The Chairman of the Commission shall function as the Head of the Department.

N. S. BHATNAGAR, Under Secy.

CORRIGENDUM
ARCHAEOLOGY

New Delhi, the 1st October 1965

No. F. 11-6/65.C.1.—In this Ministry Notification No. F. 11-6/65-C1, dated the 16th August 1965,

for the words “Dr. M. G. Dixit”,
please read “Dr. M. G. Dikshit”.

SHARDA RAO, (Mrs.) Asstt. Educational Adviser.

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

CORRIGENDAM

New Delhi, the 2nd October 1965

No. E(GR)I-65RR2.—In the Ministry of Railways (Railway Board) Notification No. E(GR)I-65RR2, dated 17-4-65, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated 17-4-65, the following corrections are made :—

- (i) Read “Launhardt-Weyrach” for “Launchardt-Weyrach” appearing in Schedule to Appendix II, on page 208, Col. 2, para 4(d)—“General”, line 2.
- (ii) Read “Lenz's” for “Leuz's” appearing in Schedule to Appendix II on page 209, Col. 2, para 7, line 9 of 2nd Sub-para below Sub-heading “Electricity”.
- (iii) Read “emptying” for “employing” appearing in Schedule to Appendix II on page 209, Col. 2, para 9, line 5.
- (iv) Read “simple” for “sample” appearing in Schedule to Appendix II on page 212, Col. 1, para 14, heading “Properties and strength of Materials”, line 14.
- (v) Read “case” for “case” appearing in Appendix II on page 215, Col. 1, para 6, Note 4(iii), line 2.
- (vi) Read “50/2” for “50” appearing in Appendix IV on page 220, Col. 1, para 9, line 5 in the Table giving Scales of pay, etc.
- (vii) Delete the figure “30” after the abbreviation “EB” appearing in Appendix IV on page 220, Col. 2, para 11, line 4 of 3rd Sub-para.

P. C. MATHEW, Secy.